सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 314 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 27 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

इंद्रावती नदी उफान पर, सीआरपीएफ कैंप बाढ़ की चपेट में

दंतेवाड़ा। बीजापुर के भैरमगढ़ स्थित CRPF 165वीं बटालियन के मुख्यालय में इंद्रावती नदी का जलस्तर बढ़ने से पानी घुस गया। दंतेवाड़ा-जगदलपुर रोड पर बंजारीनघाट पर सड़क में पानी भर गया। छिंदगढ़ के कोकराल नदी में पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। सुकमा में लगातार बारिश से शबरी नदी उफान पर है। मौसम विभाग की माने तो अगले 3 दिन कई जगहों पर भारी बारिश हो सकती है।

आज बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर और कोंडागांव इन चार जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इसके अलावा सुकमा, नारायणपुर, कांकेर, धमतरी, गरियाबंद इन 5 जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट है। कबीरधाम, बलौदाबाजार, रायपुर सहित सेंट्रल पार्ट के 9 जिलों में बिजली गिरने, बादल गरजने और आंधी चलने का अलर्ट है। उत्तरी हिस्से में मौसम सामान्य रहने की उम्मीद है।

7 अधिकारी को आईपीएस अवार्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस सेवा के सात अधिकारी पदोन्नत होकर भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हो गए हैं। इसके लिए दिल्ली में 6 अगस्त को डीपीसी हुई थी। इसमें सात अधिकारियों को आईपीएस अवार्ड के लिए हरी झंडी मिली थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। आईपीएस बनने वालों में पंकज चंद्रा, भावना पाण्डेय, विमल कुमार बैस, हरीश राठौर, वेदव्रत सिरमौर, राजश्री मिश्रा और श्वेता सिनहा शामिल हैं।

सीएम साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए किया आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका स्थित एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कंपनी को छत्तीसगढ़ में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये परियोजनाएँ न केवल कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को मज़बूत करेंगी बल्कि उच्च-तकनीकी विनिर्माण को भी प्रोत्साहित करेंगी और राज्य के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर नए रोजगार अवसर सृजित करेंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण, सुगम प्रक्रिया और प्रत्येक स्तर पर सहयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आशा व्यक्त की कि एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड की प्रस्तावित खाद्य प्रसंस्करण इकाई से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और कृषि आधारित उद्योगों को नई मजबूती प्राप्त होगी। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा राज्य को उच्च-तकनीकी उत्पादन का नया केंद्र बनाएगी और युवाओं को आधुनिक उद्योगों से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विश्वास जताया कि ये निवेश परियोजनाएँ आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उद्योग और निवेश का प्रमुख केंद्र बनाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता जनता की समृद्धि, युवाओं का भविष्य और निवेशकों का विश्वास है, और इसी संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने जापान से दूरभाष पर ली जानकारी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में हुई अतिवृष्टि से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व सचिव एवं आपदा राहत आयुक्त श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले और बस्तर संभाग आयुक्त श्री डोमन सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति जानी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राजस्व सचिव श्रीमती कंगाले ने मुख्यमंत्री को बताया कि दंतेवाड़ा, बीजापुर और बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा, दरभा और तोकापाल विकासखंडों में प्रशासन लगातार राहत कार्य संचालित कर रहा है। लोहंडीगुड़ा विकासखंड के ग्राम मांदर से 21 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला गया है। वहीं, लोहंडीगुड़ा क्षेत्र में हेलीकॉप्टर और नाव की सहायता से ग्रामीणों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। बीते 24 घंटों में 68 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एसडीआरएफ को हाई अलर्ट पर रखा जाए और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने संभाग के सभी कलेक्टरों को निचले इलाकों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क करने और सुरक्षित स्थानों पर शीघ्र पहुँचाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने राहत कार्यों में जुटे प्रशासनिक अमले, एसडीआरएफ और पुलिस बल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार आम जनता की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनता की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैंने प्रशासनिक अधिकारियों और एसडीआरएफ को हाई अलर्ट पर रहने और आवश्यकता अनुरूप प्रभावितों को सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

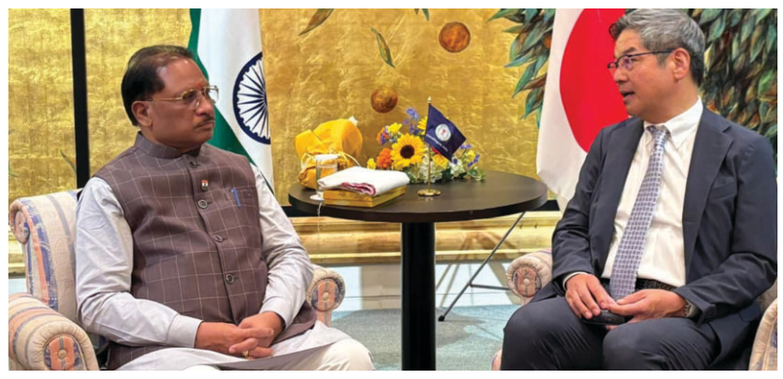

मुख्यमंत्री साय ने श्रद्धालुओं की मौत पर जताया दुःख

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 32 श्रद्धालुओं की मौत पर दुःख जताया है, उन्होंने एक्स पोस्ट कर लिखा है कि जम्मू-कश्मीर के माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भूस्खलन से हुआ हादसा अत्यंत दुःखद है। इस हादसे में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु और कई लोगों के घायल होने का समाचार प्राप्त हुआ है। मैं दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ। यह भी पढ़े जम्मू के कटरा स्थित वैष्णो देवी धाम के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर बुधवार को 32 हो गया।

हादसा मंगलवार को दोपहर 3 बजे पुराने ट्रैक पर अर्धकुमारी मंदिर से कुछ दूर इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ। कल देर रात तक 7 लोगों के मरने की खबर थी, लेकिन सुबह आंकड़ा बढ़ गया। बड़े-बड़े पत्थर, पेड़ और मलबा में दबने से ज्यादा नुकसान हुआ है। एक चश्मदीद ने बताया- बड़े-बड़े पत्थर अचानक गिरने लगे और सब तबाह हो गया। प्रशासन का कहना है कि 23 से ज्यादा लोग जख्मी हैं। कई लापता हैं। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। फिलहाल, इस इलाके में भारी बारिश की वजह से वैष्णो देवी यात्रा स्थगित कर दी गई है।

CRPF की संयुक्त कार्रवाई में नक्सली गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना कोंटा पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) 218 डी वाहिनी नुलकातोंग की संयुक्त कार्रवाई में एक सक्रिय नक्सली को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नक्सली की निशानदेही पर सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में बैनर, पोस्टर और नक्सल गतिविधियों में प्रयुक्त होने वाली अन्य सामग्रियां बरामद की हैं। पिछले अपराधों में शामिल था नक्सली।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार नक्सली वर्ष 2023 में कोंटा थाना क्षेत्र में बीएसएनएल केबल लाइन बिछाने और बिजली पोल गाड़ने वाले कर्मचारियों पर हमला करने की घटना में शामिल था। उस समय नक्सलियों ने कर्मचारियों के साथ मारपीट की थी और उनकी सामग्रियों को लूट लिया था। इसके अलावा वह सुरक्षाबलों को जान से मारने की नीयत से हमले की योजना बनाने और डकैती जैसी वारदातों में भी शामिल रहा है। गिरफ्तार नक्सली के खिलाफपहले से कई गंभीर प्रकरण दर्ज हैं। न्यायालय द्वारा उसके विरुद्ध 3 स्थायी वारंट जारी किए गए थे, जिन पर वह लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां लंबे समय से उसकी तलाश में थीं।

नक्सली की पहचान थाना भेज्जी क्षेत्र के ग्राम किंदरेलपाड़ा निवासी के रूप में हुई है। गिरफ्तारी के बाद उसे दंतेवाड़ा न्यायालय में पेश किया गया, जहां से रिमांड मिलने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि आगे भी उससे पूछताछ कर कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की संभावना है। सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी इस कार्रवाई में थाना कोंटा पुलिस और CRPF 218 डी वाहिनी नुलकातोंग की संयुक्त टीम ने अहम भूमिका निभाई। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर क्षेत्र में दबिश दी और नक्सली को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर भारी मात्रा में नक्सली प्रचार सामग्री- बैनर, पोस्टर और अन्य उपकरण बरामद किए गए, जिन्हें ग्रामीणों को गुमराह करने और सुरक्षा बलों के खिलाफ माहौल बनाने में प्रयोग किया जाता था। अधिकारियों ने इसे सुरक्षा बलों की एक महत्वपूर्ण सफलता बताया है। पुलिस का कहना है कि इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी और आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ेगा।

स्थानीय प्रशासन और पुलिस का मानना है कि इस गिरफ्तारी से नक्सल संगठन को बड़ा झटका लगेगा। गिरफ्तार नक्सली न केवल नक्सल गतिविधियों में शामिल था, बल्कि युवाओं को गुमराह कर नक्सली संगठन से जोड़ने में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा था। उसकी गिरफ्तारी से संगठन की योजनाओं को गहरा आघात पहुंचा है। सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नक्सली गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। जो भी निर्दोष नागरिकों को नुकसान पहुंचाने या विकास कार्यों में बाधा डालने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों का सहयोग अहम पुलिस और सुरक्षा बलों ने नागरिकों से अपील की है कि वे नक्सली गतिविधियों की सूचना तुरंत साझा करें।

सरकार ने शुरू किया SPREE 2025, श्रमिकों को मिलेगा मजबूत सामाजिक सुरक्षा कवच

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। देश के सामाजिक सुरक्षा ढाँचे को और सशक्त बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए SPREE 2025 योजना (Scheme for Promotion of Registration of Employers and Employees) की शुरुआत की है।

यह विशेष पंजीकरण अभियान 31 दिसंबर 2025 तक चलेगा, जिसके तहत नियोक्ताओं और श्रमिकों को ईएसआई (Employees' State Insurance) योजना से जुड़ने का सुनहरा अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पहल को श्रमिक कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता बताते हुए कहा, हमारी सरकार सभी श्रमिकों के लिए उदार और व्यापक सामाजिक सुरक्षा जाल के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

इस योजना का उद्देश्य लाखों असंगठित, अस्थायी और ठेका श्रमिकों को ईएसआई दायरे में लाना है, ताकि उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं, मातृत्व सहायता, आर्थिक सुरक्षा और अन्य सामाजिक लाभों का लाभ मिल सके। नियोक्ताओं के लिए भी कई राहतें दी गई हैं—पिछले बकाया अंशदान पर कोई पेनल्टी या मांग नहीं होगी, पुराने मामलों में निरीक्षण नहीं होगा और पंजीकरण उसी तारीख़ से मान्य होगा जो नियोक्ता घोषित करेगा। अभियान का विशेष जोर छत्तीसगढ़ पर है, जहाँ ईएसआईसी (ESIC) अपने क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालयों—रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग—के माध्यम से जागरूकता अभियान, हेल्प डेस्क और संगोष्ठियों का आयोजन कर रहा है। 10 या अधिक कर्मचारियों वाले वे नियोक्ता, जो अब तक ईएसआई अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत नहीं हुए हैं या जिन्होंने सभी पात्र कर्मचारियों को शामिल नहीं किया है, वे ईएसआईसी पोर्टल, श्रम सुविधा पोर्टल या एमसीए पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

रायपुर स्थित ईएसआईसी के उपनिदेशक रत्नेश राजन्य ने कहा, SPREE 2025 नियोक्ताओं के लिए स्वैच्छिक रूप से अनुपालन करने और अपने श्रमिकों को चिकित्सा सुविधा, मातृत्व सहायता और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ दिलाने का सुनहरा अवसर है। हमारा प्रयास इस प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सभी हितधारकों के लिए लाभकारी बनाना है। इसके साथ ही, सरकार ने अमनेस्टी स्कीम 2025 को भी मंजूरी दी है, जो 1 अक्टूबर 2025 से 30 सितंबर 2026 तक चलेगी। इसके तहत नियोक्ताओं को ईएसआई अधिनियम से संबंधित विवादों और लंबित मुकदमों का निपटारा करने का एकमुश्त अवसर मिलेगा।ईएसआईसी ने प्रदेश के उद्योगों, एमएसएमई, सेवा क्षेत्र की इकाइयों और व्यापारिक संगठनों से अपील की है कि वे इस विशेष अभियान में सक्रिय भागीदारी करें और अपने कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ दिलाएँ। पंजीकरण के लिए नियोक्ता www.esic.gov.in पर जा सकते हैं या टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-11-2526 पर संपर्क कर सकते हैं।

अपराध मुक्त राजनीति की राह पर

श्रीकंचनपथ

एक समय था जब अपराधियों की मदद राजनीतिक विरोधियों को निपटाने के लिए ली जाती थी। फिर ऐसा समय भी आया जब अपराधियों के समर्थन से लोग विधानसभाओं और संसद में चुने जाने लगे। अपराधियों को खुला संरक्षण मिलने लगा। अपराधियों के हौसले बुलंद हुए तो वे खुद ही चुनाव लड़ने लगे। इसके साथ ही भारतीय राजनीति का चेहरा दागदार होता चला गया। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा संसद के 46 प्रतिशत सदस्यों के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं। विधानसभाओं की स्थिति भी लगभग ऐसी ही है। 4092 विधायकों में से 45 फीसदी के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। एडीआर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 1,861 विधायकों ने अपने खिलाफआपराधिक मामले घोषित किए हैं। इनमें से 1205 विधायकों पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं, जिनमें हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले शामिल हैं। आजादी के बाद के वर्षों में एक ट्रेन दुर्घटना होने पर रेलमंत्री इस्तीफा दे दिया करते थे। अब सूरत-ए-हाल ये है कि मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक जेल से सरकार चला रहे हैं। इसी परिपाटी पर विराम लगाने के लिए केन्द्र ने 20 अगस्त को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक लोकसभा में पेश किया। इसमें प्रावधान है कि कोई प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री या किसी भी मंत्री को गिरफ्तारी या 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद छोड़ना होगा। शर्त यह है कि जिस अपराध के लिए हिरासत या गिरफ्तारी हुई है, उसमें 5 साल या ज्यादा की सजा का प्रावधान हो। विपक्ष इसका विरोध कर रहा है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस पर दो टूक अपनी बात रखी है। एक न्यूज एजेंसी को दिये साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि पहले आरोप लगने के बाद नेता इस्तीफा दे देते थे। रिहाई के बाद ही राजनीति में शामिल होते थे। लेकिन तमिलनाडु के कुछ मंत्रियों ने जेल में रहने के बावजूद मंत्रीपद से इस्तीफा नहीं दिया। दिल्ली के पूर्व सीएम और गृहमंत्री ने भी इस्तीफा नहीं दिया था। राजनीति को बदनाम करने और सामाजिक नैतिकता को इस स्तर तक गिराने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती। फर्जी मामलों पर भी उन्होंने दो टूक कहा कि देश के हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट आंखें मूंद कर नहीं बैठे हैं। आज देश में सबसे ज्यादा राज्य सरकारें एनडीए की हैं। सबसे ज्यादा मुख्यमंत्री और स्वयं प्रधानमंत्री भी एनडीए से हैं। नया कानून आने पर इन सबको भी खौफ में रहना होगा। वैसे खौफ होना भी चाहिए, खासकर तब जब प्रत्येक प्रभावशाली व्यक्ति को ऐसा लगता है कि कानून उसकी जेब में रहता है। इसकी ताकत कहीं ने कहीं राजनीतिबाजों से आती है। कोई किसी का रिश्तेदार है तो कोई किसी को जानता है। इनके बच्चों पर स्कूलों की नहीं चलती। इनके बच्चे या स्वयं ये अपराध करते हैं तो पुलिस भी हस्तक्षेप करने से कतराती है। सभी परेशान हैं। जो भी लोग परिवर्तन चाहते हैं, उन्हें इसका समर्थन करना चाहिए।

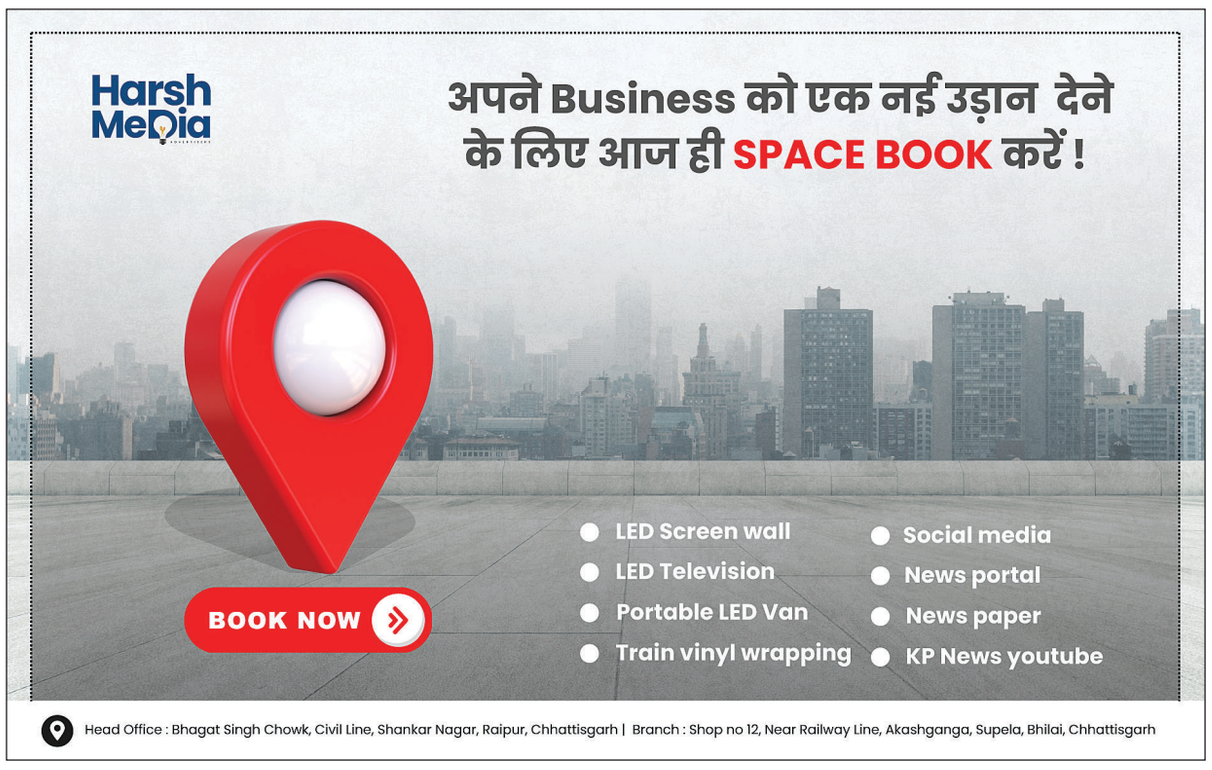

संपादकीय

खनिज उत्खनन से होगा रोजगार का हल

दुनिया तकनीकी प्रकृति चाहे जितनी कर ले, अंतत: उसकी आर्थिक उन्नति, प्रगति एवं विकास के हल प्राकृतिक संपदा में ही निहित हैं। भारत हो या कोई अन्य देश खनिज और कृषि के बूते ही उन्नति के शिखर छूते हैं। इस दृष्टि से भारत भूमि को कुदरत ने अटूट प्राकृतिक संपदा दी हुई है। इस संपदा का उत्खन्न और उसका उपयोग मप्र के लोगों के लिए हो इस नजरिए से कटनी में खनिज कॉन्क्लेव संपन्न हुआ है। यह शुरूआत मप्र को 'खनिज राज्य' के रूप में विकसित करने की मुख्यमंत्री मोहन यादव की अहम् पहल हैं। इसी के फलस्वरूप खनिज कंपनियों द्वारा 56,414 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव प्रदेश सरकार को मिले हैं। वाकई किसी भी प्रदेश के लिए व्यवसायियों की यह रुचि नई ऊर्जा देकर उत्साहित करने वाली है। आधुनिक तकनीक से खनिजों का खनन एक ऐसा कारोबार हैं, जो निवेशकों को लाभदायी साबित होता हैं। दुर्लभ खनिजों की खोज और फिर उनका प्रसंस्करण एवं संवर्धन ऐसा उपाय है, जो कुशल और अकुशल दोनों ही लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार देता है। अब प्रदेश में कारगर उत्खनन के लिए एआई, आईओटी, ब्लॉक चेन, रिमोट सेंसिंग की मदद से दुर्लभ खनिजों के अनुसंधान में मदद मिलेगी।

दुर्लभ खनिजों के उत्खनन में संसद के मॉनसून सत्र में माइंस और मिनरल्स संशोधन विधेयक भी पारित हो चुका है। इस नए कानून से व्यवसायियों को लीज पर खनन करने के लिए बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के लिथियम, कोबाल्ट, निकल, हीरा जैसे दुर्लभ खनिजों के उत्खनन की सुविधा भी मिल गई हैं। भारत इन खनिजों के लिए अब तक चीन पर निर्भर था, लेकिन चीन ने इनके निर्यात पर रोक लगा दी थी। यही वे खनिज हैं, जो क्वांटम कंप्यूटर, इलेक्ट्रिक कारों की बैटरी और अंतरिक्ष उपकरणों में काम आते हैं। हालांकि ट्रंप द्वारा लगाए गए अनर्गल टैरिफ के बाद चीन ने भारत को उपरोक्त खनिज देने का वादा कर दिया है। लेकिन भारत ने अब खनिज क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अभियान चलाया हुआ है। क्योंकि भारत की धरती पर इस नजरिए से प्रचुर मात्रा में धरती के गर्भ में हर तरह के खनिज मौजूद हैं। इसीलिए भारत अब अपनी षर्तों पर विकसित देशों के साथ व्यापार भी करेगा। मोहन यादव द्वारा कटनी कॉनक्लेव अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मप्र की धरती में खनिजों की खजाना भरा पड़ा है। इसके दोहन के लिए उद्योगपति बेरकरार रहे हैं। इसीलिए कटनी कॉन्क्लेव में देशभर के करीब 1500 निवेशक शामिल थे। इनकी समस्याओं के हल के लिए यादव ने खनिज विशेषज्ञों और निवेशकों के साथ वन-टू-वन चर्चा की। यहां की धरती हीरा और सोना तो उगलती ही है, तांबे और चूने का यहां सबसे ज्यादा उत्पादन होता है। कटनी में जहां चूने के भंडार हैं, वहीं षडहोल और उमरिया में कोयला एवं बॉक्साइड, छिंदवाड़ा में कोयला, बैतूल में ग्रेफाइड और सतना में सिमेंट के भंडार भरे पड़े हैं। प्रदेश में अब मजबूत सड़कों का जाल भी बिछ चुका है। यहां पांच लाख किमी लंबी सड़कें हैं। प्रदेश में अब कोयला और पानी से बिजली के उत्पादन के अलावा सौर ऊर्जा से भी बड़ी मात्रा में बिजली बन रही है। इस कारण बिजली प्रदेश की जरूरत से कहीं अधिक उत्पादित हो रही है।

प्रदेश में ईंधन के खनन के लिए 12 क्षेत्र चिन्हित किए हैं। कोयला आधारित 37 प्रतिशत मीथेन का उत्पादन प्रदेश में हो रहा है। जबलपुर में सोने के नए भंडार मिले हैं। ग्रेफाइट सहित 30 दुर्लभ खनिज तत्वों की खोज की गई है। इनके उत्खनन व प्रसंस्करण के बाद लीथियम और लौह अयस्क के लिए सीधी में एक क्षेत्र चिन्हित कर दिया गया है। प्रदेश में एक लाख एकड़ से अधिक भूमि बैंक चिन्हित हैं। इन सभी क्षेत्रों में बिजली जरूरत से ज्यादा उपलब्ध है। 20 प्रतिशत इन क्षेत्रों में हरित ऊर्जा उपलब्ध हैं, जो प्रदूषण से मुक्त है। प्रदेश का 2030 तक एनर्जी बास्केट में 50 प्रतिशत ग्रीन एनर्जी शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है। प्रदेश में ज्यादातर खनिज ऐसे क्षेत्रों में हैं, जहां सस्ता श्रम आसानी से उपलब्ध है। प्रदेश में 5000 से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। प्रदेश सरकार ने उद्योगपतियों को उद्योग लगाने के लिए 18 नई व्यापार मित्र नीतियां लागू की हैं। इन नीतियों ने उद्योग लगाना सरल कर दिया है।

इन नीतियों के अमल में आने से सिंघल बिजनेस ने कोयला, गैस एवं नवीकरणीय ऊर्जा में 15000 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव दिए हैं। इसी तरह हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड तांबे का उत्खनन करेगी। तांबे की खोज भारत में ऋग्वैदिक काल में ही कर ली गई थी। ऋग्वेद में तांबे से सुरक्षा कवच बनाने के उपायों का उल्लेख है। हिंदुस्तान कॉपर की 12 मिलियन टन तांबा उत्पादन करने की क्षमता है। इस कंपनी ने 32 टन तांबा अयोध्या के राम मंदिर निर्माण के लिए दान में दिया था। इनके अलावा बिरला समूह, विनमिर रिसॉर्सेस, रामनिक पॉवर, माइनवेयर एडवाइजर्स, महाकौशल रिफ्रैक्ट्रीज और सायना गुप्र ने ग्रेफाइड, आयरन, कोयला, बॉक्साइड और अन्य धातुओं के उत्खनन के लिए निवेश प्रस्ताव प्रदेश सरकार को दिए हैं। मुख्यमंत्री यादव का यह कॉनक्लेव असंगठित क्षेत्र में अधिकतम रोजगार के अवसर पैदा करेगा। असंगठित क्षेत्र की खनिजों में रुचि इसलिए भी बढ़ी हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां जीएसटी में सुधार का वादा किया है, वहीं यादव ने खनन के लिए पर्यावरण संबंधी नीतियों को सरल करने का काम किया है। क्योंकि अब तक राज्यों में खनिज लीज के बाद पर्यावरण कानून की अड़चने और अन्य विभागों द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र लेना बड़ी बाधाएं रही हैं। साफ है, उद्योगपति और सरकार के बीच काम-काज के तौर-तरीके सुधरेंगे तो तय है, मप्र की तस्वीर भविश्य में बदलती दिखाई देगी।

आत्मनिर्भरता व स्वदेशी के मूल मंत्र से ही भारत होगा मजबूत व सुरक्षित

मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में स्वदेशी हथियारों के बल पर आपरेशन सिंदूर की सफलता की कहानी को देशवासियों के समक्ष एक बार पुन: रेखांकित किया और साथ ही पाकिस्तान को फिर से अत्यंत कड़ा संदेश देते हुए कहा कि सिंधु नदी का जल और खून मतलब आतंकवाद एक साथ नहीं चलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कई कीर्तिमान एक साथ रच डाले। लाल किले की प्राचीर से 103 मिनट तक बोलते हुए अपने राजनैतिक जीवन का सबसे लंबा भाषण दिया। अपने संबोधन में हर क्षेत्र में स्वदेशी को अपनाने के साथ ही आत्मनिर्भरता को मजबूती प्रदान करने संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी सुधार से लेकर राष्ट्रीय एवं धार्मिक महत्व की सभी संस्थाओं व केंद्रो की व्यापक स्तर पर सुरक्षा के लिए वर्ष 2035 तक ऑपरेशन सुदर्शन चक्र जैसी अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की। साथ ही, देश के विभिन्न स्थानों में बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठ के कारण हो रहे जनसांख्यकी परिवर्तन की रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर मिशन मोड में अभियान प्रारंभ करने की घोषणा की है जो राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि लाल किले से उन्होंने विश्व के सबसे बड़े सामाजिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रशंसा की और उसे सबसे बड़ा एनजीओ बताया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस बार अपनी स्थापना के 100 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश वा समाज हित में किए गए संघ के कार्यों की चर्चा व प्रशंसा संघ के स्वयंसेवकों का उत्साहवर्द्धन करनेवाला तो रहा ही साथ ही यह भी स्पष्ट हो गया कि भाजपा और संघ के बीच कोई वैचारिक मतभेद हो ही नहीं सकता।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में स्वदेशी हथियारों के बल पर आपरेशन सिंदूर की सफलता की कहानी को देशवासियों के समक्ष एक बार पुन: रेखांकित किया और साथ ही पाकिस्तान को फिर से अत्यंत कड़ा संदेश देते हुए कहा कि सिंधु नदी का जल और खून मतलब आतंकवाद एक साथ नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि अगर हम हथियारों के मामले में आत्मनिर्भर ना होते तो क्या आप सोच सकते हैं कि इतना सफल ऑपरेशन सिंदूर संभव हो पाता। अमेरिका की शह पर अनर्गल प्रलाप करने वाले पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर को स्पष्ट संदेश दे दिया गया है कि अब भारत के साथ परमाणु हमले की ब्लैकमेलिंग नहीं चलने वाली। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत की नीति अभी तक पहले हमला नहीं करने की रही है।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना- प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त के दिन से ही युवाओं के लिए एक लाख करोड़ रुपये की योजना लागू करने की घोषणा कर दी। इस योजना के तहत निजी क्षेत्र में पहली नौकरी पाने वाले युवकों को सरकार की ओर से प्रोत्साहन राशि के रूप में 15 हजार रूपए दिये जायेंगे। यह योजना करीब-करीब साढ़े तीन करोड़ नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर बनाएगी। नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधार- पीएम मोदी ने इस दीपावली से जीएसटी सुधार के माध्यम से बड़ी राहत देने की घोषणा की है जिससे आम नागरिकों व छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत मिलने जा रही है।

हाई पावर डेमोग्रॉफी मिशन- प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि आज देश के सामने सबसे बड़ी चिंता व चुनौती यह है कि सोची समझी साजिश के तहत देश की डेमोग्राफी को बदला जा रहा है एक नये व

गंभीर संकट के बीज बोए जा रहे हैं। ये घुसपैठिए देश के नौजवानों की रोजी रोटी छीन रहे हैं। झूठ बोलकर बहन बेटियों को अपना निशाना बना रहे हैं। ये घुसपैठिए भोले-भाले आदिवासियों को भ्रमित करके उनकी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं।

देश यह सहन नहीं करेगा जब-जब सीमावर्ती क्षेत्रों में डेमोग्राफी परिवर्तन होता है तब-तब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा होता है। उन्होंने कहा कि दुनिया का कोई भी देश अपने देश को घुसपैठियों के हवाले नहीं कर सकता। हमारे पूर्वजों व महापुरूषों ने त्याग और बलिदान से हमें स्वतंत्र भारत दिया है। हमने एक हाई पावर डेमोग्राफी मिशन शुरू करने का निर्णय लिया है जोकि इस भीषण संकट से निपटने के लिए कार्य करेगा। ज्ञातव्य है कि बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठ के कारण असम सहित अनेक सीमावर्ती राज्यों के जिलों की डेमोग्राफी तेजी से बदल गई है व बदल रही है। कई राज्यों में घुसपैठियों के खिलाफ व्यापक अभियान भी चलाया जा रहा है। झारखंड जैसे छोटे राज्यों में यह समस्या बहुत विकराल रूप ले चुकी है और गत चुनावों में यह एक प्रमुख चुनावी मुद्दा भी बना था।

समुद्र मंथन- प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में समुद्र मंथन योजना की ऐतिहासिक घोषणा करते हुए कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए भारत नेशनल डीप वाटर एक्सप्लोरेशन मिशन शुरू करने जा रहा है। हम समुद्र से भारत के लिए तेल और गैस खोजने का अभियान प्रारंभ करने जा रहे हैं जिससे हम इस क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर हो सकें इस अभियान को समुद्र मंथन नाम दिया गया है।

सुदर्शन चक्र मिशन- प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में 2035 तक देश के सभी सामरिक व सेना के साथ ही आस्था के सभी महत्वपूर्ण केंद्रो को स्वदेशी तकनीक आधारित व्यापक सुरक्षा कवच देने की महत्वपूर्ण घोषणा की है और इस कवच का लगातार विस्तार होता जाएगा ताकि देश का हर नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करे। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण से प्रेरणा लेकर हमने सुदर्शन चक्र की राह को चुना है। ये एक पावरफुल वैपन सिस्टम होगा जो दुश्मन के हमले को नष्ट तो करेगा ही करेगा साथ ही, कई गुना अधिक शक्ति से दुश्मन पर हिटबैक करेगा।

परमाणु ऊर्जा क्षमता- 2047 तक 10 गुना बढ़ाने का लक्ष्य भी रखा गया है। इसके लिए परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में 10 नए परमाणु रिएक्टर का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। हम परमाणु ऊर्जा क्षमता 10 गुना से भी अधिक बढ़ाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

मेड इन इंडिया जेट इंजन- प्रधानमंत्री मोदी ने देश के युवा वैज्ञानिकों एवं तकनीकिशियनों से पूछा कि हमारे देश का अपना पूरी तरह से स्वदेशी जेट इंजन होना चाहिए कि नहीं होना चाहिए। आगे कहा हमें स्वदेशी जेट इंजन का निर्माण करना है तभी हम पूरी तरह आत्मनिर्भर होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में एक मंत्र दिया है और वह है ' 'दाम कम, लेकिन दम ज्यादा।'' अर्थात उन्होंने उद्यमियों और उद्योगों से उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बनाने पर अधिक ध्यान देन का आह्वान किया ताकि हम वैश्विक बाजार में अपने उत्पादों की धूम मचा सकें। अगर हमें वैश्विक बाजार में अपने उत्पादों की क्षमता प्रदर्शित करनी है तो हमें गुणवत्ता के मोर्चे पर निरंतर नई ऊचाईयों को छूना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया के प्रभावशाली लोगों के साथ-साथ राजनीतिक दलों से भी घरेलू स्तर पर निर्मित उत्पादों को अपनाने और बढ़ावा देने का आग्रह किया। अपने संबोधन के माध्म से प्रधानमंत्री मोदी ने एकमात्र यही संदेश दिया है कि अब आत्मनिर्भरता ही सुरक्षित भारत का मूल मंत्र है। फिर वह चाहे जो भी क्षेत्र हो। उर्वरकों में आत्मनिर्भरता का संकल्प- प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन में उर्वरकों के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता का संकल्प दिखा। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा के लिए उर्वरक में भी आत्मनिर्भर होना जरूरी है ताकि विदेशी दबाव से किसानों को मुक्त किया जा सके। उन्होंने यह भी साफ किया कि खेती की लागत घटना ही सिर्फलक्ष्य नहीं है अपितु किसानों की आय बढ़ाने के लिए सस्ती खाद भी उपलब्ध कराना आवश्यक है।

इस प्रकार प्रधानंमत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में देश की सुरक्षा से लेकर आर्थिक विकास एवं आमजन की सुख-समृद्धि में बढ़ोत्तरी के लिए एक व्यापक कार्य योजना प्रस्तुत की है। बच्चों, युवाओं, उद्यमियों से लेकर किसानों तक समाज के सभी वर्गो को संबोधित किया और 2047 तक भारत को विकसित एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का विज़न वा कार्ययोजना देश्वसियों के समक्ष रखी।

सब तो एक आदमी के आगे ऐंवे हो गए

हरिशंकर व्यास

भारत सरकार के मंत्रियों की क्या हैसियत हो गई है? राष्ट्रीय अध्यक्ष की हैसियत के नेता नरेंद्र मोदी के लिए माला पकड़ कर खड़े होते हैं। उस माला में घुसने की इजाजत उनको नहीं होती है। यह धारणा बनी है कि ले देकर एक अमित शाह हैं, जिनकी कोई हैसियत है लेकिन संसद के मानसून सत्र में यह भी दिखा कि पक्ष और विपक्ष में उनकी हैसियत पर ही चिंदियां गिरती दिखी। वे गिरफ्तारी और 30 दिन की हिरासत पर मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री को कुर्सी से हटाने वाला विधेयक पेश कर रहे थे तो उसे उन्होने अगली पंक्ति में अपनी निर्धारित सीट से पेश नहीं किया, बल्कि चौथी पंक्ति में अपने सांसदों के बीच खड़े होकर पेश किया।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि डर के मारे अमित शाह ने चौथी लाइन में खड़े होकर बिल पेश किया। जिस समय वे बिल पेश कर रहे थे उस समय विपक्ष की ओर से बिल की

प्रति फाड़ी गई और कागज के गोले बना कर उनकी ओर उछाले गए। अब वे क्या करेंगे? क्या सभी सांसदों के ऊपर सीबीआई, ईडी छोड़ देंगे? पिछले दिनों दिल्ली में कांस्टीट्यूशन क्लब के चुनाव की बड़ी चर्चा रही। भाजपा के पूर्व सांसद संजीव बालियान ने अपनी ही पार्टी के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी को चुनौती दे दी। क्लब से सेक्रेटरी एडमिन के लिए हुए चुनाव में कहा गया कि बालियान को अमित शाह ने उम्मीदवार बनाया है। पुरानी भाजपा के चेहरे रूड़ी को हराने के लिए बालियान को लाया गया है।

संसद सत्र के बीच खुद अमित शाह वोट डालने पहुंचे। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी थे। लेकिन रूड़ी ने बालियान को बड़े अंतर से हरा दिया। सात सौ वोट वाले चुनाव में रूड़ी एक सौ वोट से जीते। इसके बाद चर्चा रही कि रूड़ी ने शाह को हराया। इसी तरह गुजरात में सहकारिता के हालिया चुनावों में भी अमित शाह के उम्मीदवारों के हारने की चर्चा है। संघ के लोगों ने अमित शाह के उम्मीदवारों को निपटवा दिया। वह भी गुजरात में। क्या अर्थ है। उनकी छोटे, मामूली चुनाव में भी धमक नहीं रही। न गुजरात में वे अपना प्रदेश अध्यक्ष बनवा पा रहे है और न उत्तरप्रदेश में? योगी ने उन्हे यूपी में ऐंवे ही बना डाला है!

पिछले दिनों एनडीए के सांसदों की बैठक हुई, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान किया गया। उस समय मोदी ने सबको याद दिलाया कि अमित शाह सबसे लंबे समय तक केंद्रीय गृह मंत्री रहने का रिकॉर्ड बना चुके हैं तो उनका भी सम्मान होना चाहिए। उनका जबरदस्ती सम्मान हुआ। मगर बाकि जो समय से मंत्री बने हुए है वे नाराज हो गए और कहते है उन्होंने शिकायत करने में कोताही नहीं बरती। आखिर कई नेता लगातार 11 साल से मंत्री हैं।

नितिन गडकरी एक ही विभाग में 11 साल से मंत्री हैं और पूरे देश में उनके कामकाज की चर्चा होती है। राजनाथ सिंह भी छह साल से ज्यादा समय से रक्षा मंत्री हैं और पांच साल गृह मंत्री रहे हैं। कई और मंत्री हैं जो 2014 से लगातार सरकार में हैं। लेकिन उनके स्वागत के लिए कभी मोदी ने नहीं कहा। लेकिन बुनियादी सवाल तो यह है कि इन मंत्रियों को भी क्या मतलब है? क्या कोई मंत्री अपने कामकाज की तारीफ, शाबाशी की चर्चा पाता होता। सब तो एक आदमी के आगे ऐंवे हो गए है। सारे मंत्रालय एक जगह से चलते हुए हैं। बाकी सब डाकिए का काम करने के लिए मंत्रालय में बैठाए गए हैं।

अब हल्की राहत नाकाफी

बारह फीसदी वाली चीजों को 18 प्रतिशत में ले जाया गया, तो उससे और नुकसान होगा। 28 फीसदी की दर विलासिता की चीजों पर है, जिसके घटने से समृद्ध तबकों को लाभ होगा। 12 फीसदी वाली चीजें आम जन से जुड़ी हुई है।

स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री के 103 मिनट के भाषण में व्यावहारिक महत्त्व की घोषणा यह थी कि अगली दिवाली से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का नया रूप सामने आएगा। उसके बाद सरकारी अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि अब इस कर व्यवस्था में चार के बजाय दो दरें ही होंगी। संभवत: 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की दरों को खत्म कर दिया जाएगा। उन श्रेणियों में आने वाली वस्तुओं को पांच और 18 फीसदी की दरों में समाहित किया जाएगा। वैसे आदर्श स्थिति तो यह होगी कि, जैसा जीएसटी लागू होने से पहले अनुमान लगाया जाता था, सिर्फ एक दर हो।

बहरहाल, दो दरों का होना भी मौजूदा स्थिति की तुलना मे सुधार माना जाएगा। इससे आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में कितनी मदद मिलेगी, वह इससे तय होगा कि सरकार करों को न्यूनतम रखने का नजरिया अपनाती है या अधिकतम। अगर 12 फीसदी वाली कुछ चीजों को 18 प्रतिशत में ले जाया गया, तो उससे और नुकसान होगा। 28 फीसदी की दर विलासिता की चीजों पर है, जिसके घटने से समृद्ध तबकों को लाभ होगा। जबकि 12 फीसदी वाली चीजें आम जन से जुड़ी हुई है। इन्हें पांच प्रतिशत पर लाया जाता है, तो बेशक लोगों की जेब में पैसा बचेगा। हालांकि यह भी उतना नहीं होगा, जिससे अर्थव्यवस्था को गतिशील बना देने लायक मांग बढ़े। इसका कारण हाल के वर्षों में आम परिवारों की घटी बचत और उन पर बढ़ा कर्ज का बोझ है।

फिर तमाम सेवाओं की महंगाई का अलग से दबाव है। दरअसल, सरकार ने पिछले दशक में आम जन की जेब इतनी निचोड़ ली है, अब हल्की राहत नाकाफी है। हां, इसके साथ ही सरकार पेट्रोलियम जैसी चीजों को भी उत्पाद शुल्क से मुक्त करे और दीर्घकालीन कल्याणकारी योजनाओं में निवेश बढ़ाए, तो बात बन सकती है। मगर उसका कोई संकेत नहीं है। फिर व्यापारियों की टैक्स रिटर्न की झंझटों से कोई मुक्ति नहीं मिलने जा रही है।

मध्यमवर्गीय परिवारों को सुरक्षा प्रदान करेगा ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध का नया कानून

मृत्युंजय दीक्षित

संसद का मानसून सत्र वैसे तो विपक्षी दलों के हंगामे की बारिश में बह गया किंतु केंद्र सरकार ने इसमें भी जनता के हितों की सुरक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण विधायी कार्यों को निपटाया और जनमहत्व के कई क्रांतिकारी विधेयक पारित करवाने में सफलता प्राप्त की। यदि विपक्ष इन विधेयकों को पारित करवाने में सरकार के साथ सहयोग करता और सदन में बहस होती तो यह विधेयक और भी अधिक लाभकारी बनाए जा सकते थे किंतु विपक्ष ने बहस में भाग न लेकर यह अवसर गँवा दिया।

केंद्र सरकार ने मध्यमवर्गीय परिवारों को आर्थिक नुकसान, युवाओं को ऑनलाइन गेमिंग की लत से बचाने तथा नुकसान होने पर आत्महत्या करने व अपराध जगत में जाने से बचाने के लिए ' 'प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ आनलाइन गेमिंग बिल- 2025'' को संसद के दोनों सदनों से पारित करवा लिया। अब इस बिल को राष्ट्रपति की भी अनुमति मिल गई है। इस बिल के पारित होने के बाद से ही अनेक कंपनियों ने ऑनलाइन मनी गेम्स एप बंद करने प्रारंभ कर दिए।

नए कानून में आनलाइन मनी गेमिंग की सुविधाएं देने वालों पर तीन साल तक की कैद और एक करोड़ रुपए के जुर्माने तक का प्रावधान है। ऐसे प्लेटफार्म का विज्ञापन या प्रचार करने पर भी दो साल तक की सजा और 50 लाख तक का जुर्माना हो सकता है। अब सरकार का फोकस रियल मनी आनलाइन गेम पर रोक लगाने की रहेगी। विधेयक के अनुसार एक नियामक प्राधिकरण बनाने पर भी काम चल रहा है जो आनलाइन गेमिंग क्षेत्र की देखरेख करेगा। कानून का असर उसके बन जाने के पूर्व से ही दिखने लगा क्योकि इसमें 25 करोड़ से अधिक यूजर्स वाली गेमिंग कंपनी जिसमे विंजी भी शामिल है ने अपना आधिकारिक बयान जारी कर अपनी सेवाओं को वापस लेने की घोषणा कर दी। इसके साथ ही ड्रीम-11, रमी सर्कल जैसी प्रमुख कंपनियों ने भी अपने गेम्स को हटाना प्रारंभ कर दिया है। एमपीएल और जुपी ने भी अपना कारोबार समेट लिया है।

भारत में आनलाइन गेमिंग बड़ा कारोबार बन चुका है इसमें लगभग 400 कंपनियां काम कर रही थीं और लगभग दो लाख युवा काम कर रहे थे । कंपनियों में 25 हजार करोड़ का निवेश था जिसमें एफडीआई भी शामिल था। सरकार ने आनलाइन गेमिंग एप पर प्रतिबंध लगाकर अपनी आमदनी का भी नुकसान किया है क्योंकि यह कंपनियां जीएसटी में भी 20 हजार करोड़ का योगदान कर रही थीं। वर्तमान समय में भारत में 1800 गेमिंग स्टार्टअप्स चल रहे थे। सरकार ने अपना मुनाफा त्यागकर मध्यमवर्गीय परिवार के जो लोग हर वर्ष आनलाइन गेमिंग एप्स के चक्कर में पड़कर 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक गंवा देते थे उनका धन बचाने के लिए यह कानून पारित करवाया है। आनलाइन गेमिंग से हर साल 45 करोड़ लोगों को नुकसान होता है। सरकार को इस बात की पूरी जानकारी थी कि आनलाइन गेमिंग एप्स पर प्रतिबंध लगाने से उसे भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है और उद्योग समूहों ने सरकार को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा भी था कि अगर प्रतिबंध लागू हुए तो बड़े पैमाने पर नुकसान होगा तब भी सरकार ने आम जनता और समाज को हो रहे नुकसान को रोकने के लिए यह कड़ा कदम उठाया। सरकार को यह भी पता है कि इस खेल में बहुत बड़े

-बड़े लोग शामिल हैं । उद्योगपति से लेकर खेलों की दुनिया के महारथियों से लेकर शेयर बाजार की उठापटक करवाने वालों से लेकर राजनीति में उथल -पुथल करवाने वाले लोग भी इस खेल में शामिल हैं फिर भी सरकार ने इस खेल को प्रतिबंधित कर दिया है। सरकार को पता है कि इसमें शामिल बहुत से लोग कोर्ट चले जाएंगे तब भी सरकार युवाओं के भविष्य को बचाने के लिए संकल्बद्ध व अडिग है। कानून को कोर्ट में चुनौती के लिए भी सरकार ने तैयारी कर ली है।

विश्व भर की आनलाइन गेमिंग कंपनियों की नजर भारत पर है क्योंकि भारत विश्व का सातवां सबसे बड़ा गेमिंग बाजार है। जैसे ही यह कानून पारित होने की खबर सामने आई वैसे ही ऑनलइन गेमिंग एप्स की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सदन में बिल पारित होते समय केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ऑनलाइन मनी गेमिंग को विकार घोषित किया है। उन्होंने कहा कि रोगों के अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण आईसीडी -11 ने इसे गेमिंग विकार घोषित किया है। आनलाइन मनी गेमिंग सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है इसके कारण लोग मनोवैज्ञानिक विकारों और जुनूनी व हिंसक व्यवहार के शिकार हो रहे हैं। यही नहीं आनलाइन गेमिंग के कारण भारत की परिवार संस्कृति पर भी गहरी चोट पहुंच रही है। घरों में बुजुर्गों से लेकर छोटे- छोटे बच्चे तक आनलाइन गेमिंग की लत के ऐसे शिकार हो गये हैं कि उनमें एक -दूसरे को पहचानना व बात करना तक बंद हो गया है, बात होती है तो केवल टास्क पर होती है कौन हारा -कौन जीता पर होती है।

आनलाइन गेमिंग एक महत्वपूर्ण विषय हे जो डिजिटल दुनिया में व्यापक पैमाने पर उभर रहा है। इसके तीन सेगमेंट हैं जिसमें पहला ई स्पोटर्स है जिसमें टीम बनाकर खेलते हैं, मंथन होता है इसमें हमारे खिलाड़ियों ने पदक भी जीते हैं। इस विधेयक में उसे प्रोत्साहित किया जाएगा। दूसरा सेगमेंट आनलाइन सोशल गेम्स हैं जैसे सोलिटेयर, सुडोकू ,शतरंज आदि उन्हें भी बढ़ावा दिया जाएगा। तीसरा है आनलाइन मनी गेम्स जो चिंता का विषय हैं । इसकी एल्गोरिदम अस्पष्ट है, कभी -कभी यह जानना भी मुश्किल होता है कि आप किसके साथ खेल रहे हैं।

आनलाइन मनी गेमिंग एप्स पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून लंबे विचार विमर्श के बाद संसद से पारित कराया गया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत प्रयासों का प्रतिफल है कि यह आज कानून बन गया है। कानून बनाते समय प्रधानमंत्री मोदी उन परिवारों की भावुक अपीलों से भी प्रेरित हुए जिन्होंने आनलाइन मनी गेम्स में अपने लोगों को खोया। ई -स्पोर्ट्स का सपना देखने वाले युवाओं की कहानियों के सथ कर्ज, लत और निराशा की सत्यता भी जुड़ी थी। इसी मुद्दे पर वित्त, खेल और आईओ मंत्रालय ने मिलकर एक खाका तैयार किया और प्रधानमंत्री मोदी से चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस विषय पर काम कर रहे युवा विशेषज्ञों के साथ व्यापक चर्चा की तब जाकर यह ऐतिहासिक कानून पारित हुआ है।

बड़ी मानवीय त्रासदी - आनलाइन गेमिंग एक बड़ी मानवीय त्रासदी सिद्ध हुई है जिसमें कर्नाटक में 3 साल में ही 18 लोगों ने आत्महत्या कर ली। मैसूर में 80 लाख हारने के बाद एक परिवार ने आत्महत्या कर ली। मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भी आत्महत्या व हत्या के अनेक समाचार प्रकाशित हुए जिसका कारण आनलाइन गेमिंग रहा।आनलाइन गेमिंग के माध्यम से ठगों का एक बहुत बड़ा साम्राज्य भी अपना काम कर रहा था जो अब पकड़ में आ रहा है।

विधेयक पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, ' 'द प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ आनलाइन गेमिंग बिल 2025 भारत को गेमिंग नवाचार और रचनात्मकता का केंद्र बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह ई-स्पोर्ट्स और आनलाइन सोशल गेम्स को प्रोत्साहित करेगा।साथ ही यह हमारे समाज को आनलाइन मनी गेम्स के हानिकारक प्रभावों से भी बचाएगा।''

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

राष्ट्रीय खेल दिवस पर भिलाई इस्पात संयंत्र में मैत्री मैच और फिटनेस गतिविधियाँ

भिलाई। राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के अवसर पर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र अपने अधिकारियों और कर्मचारियों (पुरुष एवं महिला) के लिए विविध खेल एवं फिटनेस गतिविधियों का आयोजन करेगा। इस आयोजन का संचालन क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग के तत्वावधान में 29 अगस्त 2025 को प्रातः 9.00 बजे सेक्टर-4 स्थित एसएए मैदान में किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत कर्मचारियों के लिए एथलेटिक्स स्पर्धाएँ जैसे 100 मीटर दौड़, भाला फेंक, गोला फेंक और लंबी कूद का आयोजन प्रातः 10.00 बजे से एसएए मैदान में किया जाएगा। इसके साथ ही टीम खेलों को भी इस कार्यक्रम में शामिल किया गया है। प्रातः 7.00 बजे मारोदा सेक्टर मैदान में मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच खेला जाएगा, वहीं अपराह्न 4.00 बजे पंत स्टेडियम, सेक्टर-1 के बास्केटबॉल ग्राउंड में बास्केटबॉल मैच का आयोजन होगा। पुरुष और महिला दोनों वर्गों के लिए प्रतियोगिताएँ सुनिश्चित की गई हैं, जिससे अधिक से अधिक भागीदारी को प्रोत्साहन मिले। भिलाई इस्पात संयंत्र के टाउन सर्विसेज के अंतर्गत कार्यरत शिक्षा विभाग द्वारा खेल प्रतिभा सम्मान समारोह 2024-25 का आयोजन कार्यपालक निदेशक पवन कुमार के मुख्य आतिथ्य में 29 अगस्त 2025, शुक्रवार को अपराह्न 3:30 बजे भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में किया जाएगा। इस समारोह में उत्कृष्ट छात्र उपलब्धियों और मेधावी खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

अगस्त माह में जन्म तिथि वाले 9 बुजुर्गो का सामुहिक जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

भिलाई। भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ ने मंगलवार को सियान सदन वैशाली नगर में अगस्त माह में जन्म तिथि वाले 9 वरिष्ठ नागरिकों का सामूहिक जन्मोंत्सव धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया और पुराने समकालीन गीत एवं भजनों को गाकर समा बांधा। अपने पसंदीदा पुराने हिंदी गानों को सुनकर सभी वरिष्ठ नागरिक आनंद से झूम उठे। बुजुर्गो को दिनेश मिश्रा ने हाऊजी गेम खिलाकर उनमें रोमांच भर दिया। अपने उद्बोधन में महासंघ अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा कि वरिष्ठजनों का जीवन बहुत उतार चढ़ाव एवं तनाव से भरा होता है। सामूहिक जन्मोत्सव के आयोजन से बुजुर्गो में खुशी, संतोष और जीवन के प्रति सकारात्मकता का भाव पैदा होता है। उनके दुःख एवं चिंता दूर होती है। अगस्त माह में जिनका सामूहिक जन्मोत्सव मनाया गया उनमें घनश्याम कुमार देवांगन, गजानंद साहू, भरतलाल मोगरे, किशनलाल सोनी, संतराम देवांगन, सुधीर राय त्रिपाठी, संतोष कुमार साहू, शंकर सेंदे एवं बी. सीताराम का महासंघ के सबसे उम्रदराज बुजुर्गों द्वारा सम्मान कर आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी गई।

सेल ने आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि के लिए क्रिटिकल-ग्रेड स्टील की आपूर्ति करके देश के रक्षा क्षेत्र के साथ अपनी साझेदारी जारी रखी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन संचालित, भारत की सबसे बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील उत्पादक और महारत्न कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड ने भारतीय नौसेना के दो उन्नत फ्रंटलाइन युद्धपोतों, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि के लिए लगभग 8,000 टन क्रिटिकल-ग्रेड स्टील की आपूर्ति करके देश के रक्षा क्षेत्र के साथ अपनी महत्वपूर्ण साझेदारी जारी रखी है।

माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में, विशाखापत्तनम में, आयोजित एक समारोह के दौरान, इन दोनों फ्रिगेटों को आज, 26 अगस्त, 2025 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।

सेल ने भारतीय नौसेना के इन दोनों उन्नत युद्धपोतों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कंपनी ने मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) के साथ साझेदारी करते हुए, अपने बोकारो, भिलाई और राउरकेला स्टील प्लांट्स से क्रिटिकल ग्रेड की हॉट-रोल्ड शीट और प्लेट्स की आपूर्ति की। भारतीय नौसेना के लिए क्रिटिकल -ग्रेड स्टील के विकास और आपूर्ति के जरिये, सेल ने आयात प्रतिस्थापन और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह सीधे तौर पर 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहलों से जुड़ा हुआ है और रक्षा ज़रूरतों के लिए विशेष गुणवत्ता वाले स्टील उपलब्ध करने की दिशा में भारत की आयात पर निर्भरता को घटाता है। अकेले राउरकेला स्टील प्लांट के 'स्पेशल प्लेट प्लांट ने टैंक, युद्धपोतों और मिसाइलों जैसे रक्षा अनुप्रयोगों के लिए एक लाख टन से भी अधिक क्रिटिकल - ग्रेड स्टील की आपूर्ति की है।

आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि जैसे जहाजों को नौसेना में शामिल करना, यह दिखाता है कि भारत अब देश में ही अपने जहाजों के लिए बुनियादी स्टील से लेकर इनके जटिल डिजाइन बनाने और कुशल चालक दल तक को विकसित करने में सक्षम है, जो हमारे देश की रक्षा प्रणाली की ताकत और मज़बूत नींव को प्रदर्शित करता है। भारत के रक्षा क्षेत्र के साथ सेल की स्थायी साझेदारी अच्छी तरह से स्थापित है, जिसमें आईएनएस विक्रांत, आईएनएस नीलगिरी, आईएनएस अजय, आईएनएस निस्तार, आईएनएस अर्णाला, आईएनएस विंध्यगिरि और आईएनएस सूरत जैसे प्रतिष्ठित जहाजों के लिए महत्वपूर्ण-ग्रेड स्टील की आपूर्ति का एक गौरवपूर्ण इतिहास है। यह अटूट प्रतिबद्धता एक विश्वसनीय राष्ट्रीय निर्माता और देश के चल रहे नौसैनिक आधुनिकीकरण में एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में सेल की स्थिति को मजबूत करता है।

विश्व बंधुत्व दिवसः प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा राष्ट्रीय रक्तदान महाअभियान का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। यह तेरा लहू एक अमृत है, चलो करें हम महा पुण्य करके रक्त का दान ऐसे उमंग, उत्साह से भरे गीतों के साथ इस्पात एवं शिक्षा नगरी मिनी इंडिया भिलाई के सेक्टर-7 स्थित राजयोग भवन में विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय रक्तदान महाअभियान का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 18वीं पुण्यतिथि की स्मृति में किया गया। जिनके मधुर शिक्षाएं निम्मित, निर्माण और निर्मल वाणी जो कि दादी के जीवन से प्रतीत होती थी, दादी प्रकाशमणि जी ने विश्व के पांचों महाद्वीपों में भारतीय संस्कृति राजयोग का प्रकाश फैलाया।

राष्ट्रीय रक्तदान महाअभियान का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर सीएमओ डॉ. कौशल ठाकुर (सेक्टर-9 हॉस्पिटल), डॉ. राजेंद्र, बीएसबीके अध्यक्ष मनीष गुप्ता तथा भिलाई सेवाकेंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी एवं प्राची दीदी ने संयुक्त रूप से किया। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ, सीआईएसएफ, बीएसएफ पुलिस अधिकारी एवं ब्रह्माकुमारी बहनें व भाईयों ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल प्रस्तुत की।

ब्रह्माकुमारीज एवं राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के समाज सेवा प्रभाग द्वारा सम्पूर्ण भारत के 6000 से अधिक सेवाकेंद्रों पर एक लाख यूनिट से अधिक रक्तदान कर इसे गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज करने का लक्ष्य है। अतिथियों ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि विश्व की सबसे बड़ी नारी शक्ति द्वारा संचालित यह संगठन, एकता और आध्यात्मिक निस्वार्थ सेवा की शक्ति से असंभव को संभव कर रही है।

संस्था से मिली जानकारी के अनुसार सभी ब्रह्मावत्स शुद्ध सात्विक आहार एवं व्यसनमुक्त जीवन जीते हैं। अतः उनके द्वारा प्रदत्त रक्त समाज को शुद्धता, सात्विकता और स्वास्थ्य का संदेश भी प्रदान करेगा। 280 से अधिक यूनिट ब्लड डोनेट किया गया, तथा राष्ट्रीय स्तर पर 80 हजार यूनिट से अधिक ब्लड का संग्रह हो चुका है, जिसे राष्ट्रीय वेबसाइट ई रक्त कोष में अपडेट किया जा चुका है। ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि यह रक्तदान केवल जीवन बचाने का प्रयास नहीं है, बल्कि समाज में मानवता, बंधुत्व और निस्वार्थ सेवा की भावना को सशक्त करने का माध्यम है। आपने 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना के साथ सभी को इस महाअभियान को सफल कर रक्तदान करने वाले समस्त रक्तदाताओं के प्रति हृदयपूर्वक आभार प्रकट किया।

विधायक ललित चंद्राकर ने रुआबांधा सेक्टर में 14.62 लाख की लागत से निर्मित डोम शेड का लोकार्पण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर की पहल पर रूआबांधा सेक्टर वार्ड क्रमांक 06 गणेश ग्राउंड में डोम शेड निर्माण कराया गया जिसका आज लोकार्पण विधिवत् पूजा अर्चना जनता को समर्पित किया गया। जिसकी लागत राशि 14.62लाख रुपए की है । इस डोम शेड के लिए वार्ड वासियों ने विधायक ललित चंद्राकर का आभार जताया।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर क्षेत्रवासियों को तीजा पोरा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी और बताए कि डोम शेड निर्माण का मांग बरसो से था आज पूरा करते हुए मुझे खुशी हो रहा है अब इस शेड का उपयोग विभिन्न कार्यक्रमों में किया जाएगा। श्री चंद्राकर ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए उनकी सरकार हमेशा प्रयासरत है और इस डोम शेड के निर्माण से वार्ड वासियों को एक अच्छा आयोजन स्थल मिल गया है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि क्षेत्र के सभी विकास कार्य समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरे हों।

इस अवसर पर रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू , मरोदा पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल , सुनील साहू ,अजित चौधरी ,दशरथ साहू जी,पार्षद माया यादव , पार्षद सीला नारखेड़े , पार्षद सावित धवस , नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू , बूथ अध्यक्ष विपुल वर्मा ,गुड्डू झा,अजित परिहार,विष्णु दत्त शर्मा सहित क्षेत्र वासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

देवांगन दम्पति ने देहदान का संकल्प लिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कसारीडीह कन्हैयापूरी निवासी कृष्ण कुमार देवांगन,(पूर्व बीएसपी कर्मी) एवं उनकी पत्नी कस्तूरी देवांगन ने आज एक प्रेरणादायी कदम उठाते हुए देहदान का संकल्प लिया। इस पुनीत कार्य के लिए उन्होंने अपनी देहदान की वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों कुलवंत भाटिया, राजेश पारख, रितेश जैन एवं सुरेश जैन को सौंपी। श्री कृष्ण कुमार देवांगन के पुत्र अनुज देवांगन, जो देवांगन पूजा सामग्री के संचालक हैं, उनके भाई आशीष देवांगन, बहु मनीषा देवांगन एवं श्रीमती मालती देवांगन ने इस नेक निर्णय के लिए अपनी पूर्ण सहमति प्रदान की। नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों ने देवांगन दंपति के इस मानवता के प्रति समर्पण और देहदान के निर्णय की भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा उन्हें शुभकामनाएं दीं। यह कदम समाज के लिए एक प्रेरणा है और दूसरों को भी इस दिशा में आगे आने के लिए प्रोत्साहित करता है।

कृष्ण कुमार देवांगन ने कहा बहुत लम्बे समय से उनके मन में देहदान करने की इच्छा थी और आज उनकी वर्षों पुरानी इच्छा पूर्ण हुई आज देहदान की घोषणा कर उन्हें संतुष्टि हो रही हैं कि अब उनके जाने के बाद उनकी व् उनकी पत्नी की आँखों से चार लोगों को नई रौशनी मिलेगी व भविष्य के डॉक्टरों को रिसर्च हेतु मृत देह-केडेवर मिले तो हम पति पत्नी का जीवन सार्थक होगा। सुरेश जैन ने कहा देवांगन दम्पति के देहदान का निर्णय समाज के लिए प्रेरणा बनेगा एवं लोग देहदान हेतु जागरूक होंगे, नवदृष्टि फाउंडेशन के रितेश जैन ने कहा हमारी संस्था लगतार लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है।

दुर्गवासियों को बड़ी सौगात- महाराजा चौक से बोरसी तक फोरलेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र में एक और फोरलेन सड़क बनाने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दुर्गवासियों को सौगात दी है। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के प्रयास से 2024-25 के बजट में स्वीकृत कार्य को प्रारंभ करने शासन ने 23.96 करोड़ की राशि की स्वीकृति मिली है।

महाराजा चैक से बोरसी तक 1.80 किलोमीटर सड़क चैड़ीकरण के साथ-साथ जल निकासी व्यवस्था, डिवाइडर, स्ट्रीट लाइट आदि को भी दुरूस्त किया जाएगा। इस सड़क के चैड़ीकरण होने से

यहां से गुजरने वाले हजारों वाहनों का यातायात सुगम होगा। वहीं शहर के भीतरी क्षेत्र में लंबे समय से बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने में उपयोगी होगा। उतई और पाटन क्षेत्र के रहवासियों को भी इस सड़क चैड़ीकरण से राहत मिलेगी।

गौरतलब है कि क्षेत्र के नागरिक इस सड़क के चैड़ीकरण की मांग बरसों से कर रहे थे, उनकी लंबित मांग को प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने गंभीरता से लिया और इंजीनियरों की टीम के साथ मौके का निरीक्षण कर प्रस्ताव तैयार कराया और 23.96 करोड़ रुपये की स्वीकृति दिलाई।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि दुर्ग शहर के सतत विकास और नागरिकों की सुविधा हमारी पहली प्राथमिकता है। महाराजा चैक से बोरसी मार्ग का फोरलेन कार्य पूरा होने के बाद यहां ट्रैफिक का दबाव कम होगा और लोगों का समय बचेगा। इससे न केवल दुर्ग शहर के नागरिकों को राहत मिलेगी बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को भी सुगम यातायात का लाभ प्राप्त होगा।

एसएमएस-3 में विविध गतिविधियों के साथ राजभाषा पखवाड़ा-2025 का भव्य आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में राजभाषा हिंदी के संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार को प्रोत्साहित करने हेतु राजभाषा पखवाड़ा-2025 का आयोजन 19 से 23 अगस्त 2025 तक किया गया। पखवाड़ा का शुभारंभ 19 अगस्त 2025 को मुख्य महाप्रबंधक त्रिभुवन बैठा द्वारा उप प्रबंधक (राजभाषा) जितेन्द्र दास मानिकपुरी तथा स्टील मेल्टिंग शॉप-3 के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया गया।

राजभाषा पखवाड़ा-2025 के दौरान जेड.एन.एस. नोट राइटिंग प्रतियोगिता, रूपांतरण प्रतियोगिता (अंग्रेज़ी से हिंदी), निबंध प्रतियोगिता, सुरक्षा, पर्यावरण, उत्पादन एवं राजभाषा से संबंधित विषयों पर स्लोगन प्रतियोगिता, स्व-रचित कविता वाचन प्रतियोगिता तथा सुरक्षा, पर्यावरण, उत्पादन, राजभाषा, स्वास्थ्य, जीवन शैली एवं सामाजिक सरोकारों पर आधारित तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 23 अगस्त 2025 को आयोजित पखवाडा के समापन समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। जेड.एन.एस. नोट राइटिंग प्रतियोगिता में प्रथम ओमप्रकाश, द्वितीय अतुल बेन्दाले, तृतीय रजत कुमार सरकार तथा सांत्वना पुरस्कार दिलीप कुमार वार्ष्णेय एव दीपक कुमार वर्मा ने प्राप्त किया। वहीं रूपांतरण प्रतियोगिता में प्रथम प्रशांत दलाई, द्वितीय कु. वंदना सोनी, तृतीय कु. प्रियंका कुमारी तथा सांत्वना पुरस्कार जे.के. पटवर्धन एवं गौतम कुमार ने प्राप्त किया। इसी कड़ी में स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम अरुण कुमार सिंह, द्वितीय पन्नालाल सिन्हा, तृतीय डी. हेमराज तथा सांत्वना पुरस्कार कु. वंदना सोनी एवं रविन्द्र करजदा ने प्राप्त किया। कविता वाचन प्रतियोगिता में प्रथम श्वेत मिश्रा, द्वितीय केशव पटेल, तृतीय नीरज दुबे तथा सांत्वना पुरस्कार हंसराज मीना एवं ललित उपाध्याय को प्राप्त हुआ। तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम ऋतुराज पटनायक, द्वितीय केशव पटेल, तृतीय श्वेत मिश्रा तथा सांत्वना पुरस्कार कु. जयश्री कुमारी एवं रजत कुमार सरकार ने प्राप्त किया, निबंध प्रतियोगिता में प्रथम कु. रीना कुमारी, द्वितीय कु. निधि सांगा, तृतीय ब्रजनंदन राम तथा सांत्वना पुरस्कार अभिजीत सिंह एवं ललित उपाध्याय को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में कमल किशोर द्वारा तात्कालिक मनोरंजक हिंदी क्विज़ का आयोजन भी किया गया, जिसमें हिंदी से जुड़े बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए।

उद्घाटन समारोह में उपस्थित मुख्य महाप्रबंधक त्रिभुवन बैठा एवं जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने अपने उद्बोधनों में हिंदी भाषा की उपयोगिता, कार्यकुशलता में इसके योगदान तथा कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी की महत्ता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का समन्वय महाप्रबंधक एवं हिंदी समन्वय अधिकारी उमाशंकर परगनिहा द्वारा किया गया, जिसमें सीमा शर्मा ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्य महाप्रबंधक (स्टील मेल्टिंग शॉप-3) त्रिभुवन बैठा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

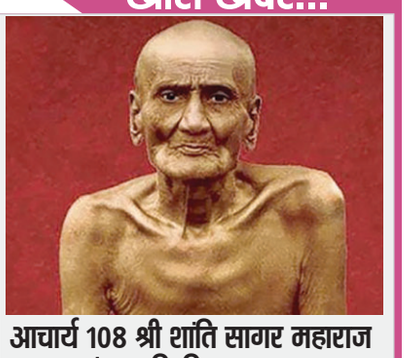

आचार्य 108 श्री शांति सागर महाराज का 70वां समाधि दिवस मनाया

रायपुर। श्रवण संस्कृति के उन्नायक, बीसवीं सदी के प्रथम दिगम्बराचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य 108 श्री शांति सागर जी महाराज का 70वां समाधि दिवस सोमवार को सम्पूर्ण भारत वर्ष के साथ सन्मति नगर, फाफाडीह स्थित श्री खंडेलवाल दिगम्बर जैन मंदिर में भी मनाया गया। उपरोक्त जानकारी पंचायत के अध्यक्ष अरविंद बडजात्या एवं सचिव सुरेश पाटनी ने दी।

उन्होंने आगे बताया कि दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के :दसलक्षण पर्व (पर्युषण पर्व) गुरुवार, 28 अगस्त से प्रारम्भ हो रहे है जिसके अंतर्गत प्रतिदिन प्रात: 6 बजे से अभिषेक, शांति धारा, सामूहिक संगीतमय पूजन होगी ततपश्चात सायं 7 बजे से संगीतमय महा आरती, 7.30 बजे से 9.30 बजे तक पंडित नितीन जैन द्वारा प्रवचन (तत्व चर्चा)ततपश्चात सन्मति सौभाग्य हाल में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न होंगे। उपरोक्त जानकारी पंचायत के प्रचार सचिव अतुल गोधा ने दी।

मंत्री राजवाड़े ने प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्र सरकार का जताया आभार

रायपुर। महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण के लिए संसद में पारित बिल के लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्र सरकार का हृदय से आभार प्रकट किया। यह ऐतिहासिक निर्णय हमारे बच्चों और समाज के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आज ज्यादातर बच्चे ऑनलाइन गेम की लत के कारण अपनी शिक्षा, स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों से दूर हो रहे थे। यह प्रवृत्ति न केवल परिवारों को बल्कि पूरे समाज को गलत दिशा में ले जा रही थी। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय बच्चों को नशे जैसी इस लत से मुक्त करेगा और उन्हें सही मार्ग पर आगे बढ़ने का अवसर देगा। हम सभी को मिलकर इस कानून के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग करना होगा, ताकि देश का भविष्य सुरक्षित और सशक्त बने।

पानी की समस्याः निगम ने रोबोटिक कैमरे से पाइप लाइन की जांच शुरू

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे, जलकार्य विभाग अध्यक्ष सतोष सीमा साहू आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जल कार्य विभाग द्वारा नगर निगम जोन 4 के तहत ब्राम्हणपारा वार्ड में सोहागा मंदिर के समीप जल समस्या ग्रस्त क्षेत्र की पाईप लाईन का परीक्षण जीआईएस आधारित रोबोटिक कैमरा के माध्यम से करवाया जा रहा है।

कार्यपालन अभियंता नरसिह फरेन्द्र ने रोबोटिक कैमरा के माध्यम से पाईप लाईन परीक्षण के कार्य का प्रत्यक्ष अवलोकन जोन 4 कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, उपअभियता रंजीत बारवा की उपस्थिति में किया। इन क्षेत्रों में पूर्व में पाईप लाईन से नलो के माध्यम से पेयजल प्राप्त हो रहा था किंतु विगत समय से पेयजल नलो में प्राप्त नहीं होने की शिकायत मिलने पर जीआईएस आधारित रोबोटिक कैमरा के माध्यम से संबंधित क्षेत्र में पाईप लाईन का परीक्षण कराकर कपनी से रिपोर्ट लेकर समस्या निदान हेतु आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये गये। इस हेतु आवश्यक पाईप लाईन परीक्षण का कार्य पेयजल आपूर्ति में आ रही पाईप लाईन के भीतर की तकनीकी बाधा की जानकारी लेकर उसे दूर करने किया जा रहा है।

भविष्य के अनुसार से बिल्डर्स बनायें कालोनी - विधायक सोनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्रेडाई द्वारा आयोजित प्रापर्टी एक्सपो 2025 का छठवां एडिशन शानदार प्रतिसाद लेकर संपन्न हो गया। काफी बड़ी संख्या में प्रापर्टी बायर्स ने बुकिंग करायी। आने वाले साल में और बेहतर ढंग से आयोजन करने का संकल्प लेकर क्लोजिंग सेरेमनी के अवसर पर लक्की ड्रा के विजेताओं के नाम घोषित किए गए एवं एक्सपो में सहयोग करने वालों को सम्मानित किया गया।

क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष पंकज लाहोटी,सचिव अभिषेक बच्छावत,प्रोग्राम चेयरमैन नवनीत अग्रवाल,को-चेयरपर्सन संजना बघेल ने प्रापर्टी एक्सपो के सफल आयोजन के लिए सभी बिल्डर्स, स्टाल होल्डर्स, बैंकर्स व अन्य के प्रति आभार जताया। नवनीत अग्रवाल ने क्लोजिंग सेरेमनी के अवसर पर कहा कि हमने इन तीन दिनों में केवल एक्सपो ही सेलिब्रेट नहीं किया बल्कि

हुए अनुभवों से प्रेरणा लेकर और अच्छा काम करने का आश्वासन बायर्स को देते हैं। अगले एक और साल के लिए हमें इस आयोजन से उर्जा मिला है।

क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो के क्लोजिंग सेरेमनी के अतिथि विधायक सुनील सोनी ने बिल्डरों से यह अपेक्षा जतायी कि रायपुर को महानगर बनाने में आप सब योगदान दे रहे हैं तो अपने प्रोजेक्ट में वे सभी सुविधाएं दें ताकि आने वाली पीढ़ी आपके काम को याद रखे। ड्रेनेज, वाटर, इलेक्ट्रिसिटी, सड़क जैसी सिस्टम को फ्यूचर के हिसाब से बनायें। हम महानगर मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, नागपुर की बात करते हैं लेकिन सबसे ज्यादा मेन पावर रायपुर में हैं। रायपुर को महानगर का स्वरूप देना हैं तो अच्छे फ्लैट,अच्छी कालोनियां बनायें। यदि सुविधाएं देंगे तो आपकी प्रापर्टी भी लोग खरीदेंगे। आने वाले समय में रायपुर से जोड़कर दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव तक बड़ा प्राधिकरण बनेगा। तब आपकी डिमांड और बढ़ जायेगी। आने वाले दिनों में ट्रैफिक की समस्या और बढने वाली है इसलिए कालोनियों के निर्माण करते समय इसका भी ख्याल रखें।

विधायक मोतीलाल साहू ने कहा कि क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो जैसे आयोजन से प्लानिंग कर लोग अपना मकान खरीद सकते हैं। बाहर से आने वाले लोगों के बीच एक अट्रेक्शन होता है कि कैसा है रायपुर इस शहर को व राज्य को अग्रणी बनाने में आप लोगों का योगदान महत्वपूर्ण है इसलिए सर्वसुविधायुक्त मकान आप उपलब्ध करायें।

क्लोजिंग सेरेमनी के अवसर पर क्रेडाई प्रापर्टी एक्सपो के सहयोगियों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जिनमें पापुलर पेंट्स, एसबीआई, एचडीएफसी, टेक लिस्ट्स, जगुआर, नेचर टच, माय एफ्एम, एसव्हीए, ईशा किचन्स, आरएलव्हीटी, माहेश्वरी पब्लिसिटी, तेजेश मुखर्जी, वाया मीडिया प्रमुख रुप से शामिल रहे।

लक्की ड्रा के विजेता

प्रेस्टिज चिमनी-नवरतन अरवालिया (सिल्वर ओक), मर्फी काफी मशीन-राजेश साहू (गोल्फग्रीन फेस 1), केंट आरओ-सूर्या चंद्राकर (वालफोर्ट ग्रुप), बजाज गायसर-राकेश टोडेकर (वेदांता वाटिका), मर्फी माइक्रोवेव-क्रांति कुमार राठौर (रहेजा अंबारा), पैनासोनिक वेट ग्राइंडर-अभय दुबे (स्वास्तिक रायल एवेन्यू), प्रेस्टिज गैस स्टोव-लक्ष्मीमणी कुजूर (वेदांता सिटी फेस 2)।

भाजपा संयुक्त मोर्चा अध्यक्षों ने ग्रहण किया कार्यभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आज भाजपा के नवनियुक्त मोर्चा अध्यक्षों ने अपने अपने नवीन कार्यभार को संभाला। संयुक्त मोर्चों के कार्यभार सम्मेलन में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी मौजूद थें

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने नवनियुक्त सभी मोर्चा अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी नवीन जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं के साथ ईमानदारी से निर्वहन करना है। पार्टी द्वारा जो जिम्मेदारी समय-समय पर दी जाती है उन जिम्मेदारियां को समय पर पूरा करना होता है। भाजपा देश की सेवा करने वाली पार्टी है जो जनता के बीच में जाकर उनके सुख और दुख दोनों में शामिल होते हैं। हमें जनता के बीच जाकर अधिक से अधिक लोगों को भाजपा की रीति नीति और केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताना है। उन्होंने कहा कि सभी मोर्चा अध्यक्षों को कहा कि कार्यकर्ता की बदौलत ही प्रदेश में हमारी सरकार बनी है और कार्यकर्ता पार्टी का आधार होता है हमें कार्यकर्ताओं को साथ में लेकर चलना है। उन्होंने कहा कि संगठन की और मजबूती के लिए आप सबकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। इसलिए संगठन सदैव मजबूत होता है।

इस मौके पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व द्वारा संगठन ने जो नई जिम्मेदारी दी गई है उसे हम सब मिलकर पूरा करेंगे। संगठन की मजबूती के लिए हम सबको जुटना होगा। भाजपा महिला मोर्चा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने कहा कि मातृशक्ति की मजबूती के लिए हम सब जुटेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का समग्र विकास हो रहा है। महतारी वंदन सहित कई योजनाओं के माध्यम से हमारी बहनों की चिंता हो रही है। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह ने नए दायित्व देने के लिए सबका आभार माना। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना हम सबका लक्ष्य होगा। पार्टी के विचारधारा को मजबूत करने में हमारी भूमिका अहम होगी।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सनम जांगड़े ने कहा कि भाजपा में ही एक छोटे से कार्यकर्ता को उसके कर्मयोग के आधार पर सर्वोच्च दायित्व दिया जाता है जिससे वह सदैव समाज कल्याण के लिए प्रेरित रहता है। सदैव समाज के उत्थान के लिए हम सब सक्रिय रहेंगे। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मखमूर इकबाल खान ने कहा कि सर्व उत्थान के संकल्प के साथ हम सबकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। जिस उम्मीद के साथ पार्टी नेतृत्व ने जिम्मेदारी दी है उस पर हम सब खरा उतरेंगे।

कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने किया एवं आभार प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, डॉ. नवीन मार्कण्डेय ने किया। इस दौरान कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, श्रीमती रंजना साहू, प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, विधायक डोमनाल कोर्सेवाड़ा, दीपेश साहू, शकुंतला पोर्ते, प्रदेश मंत्री हर्षिता पांडेय, संध्या परगनिया, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, सहित बड़ी संख्या में सभी मोर्चा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सिंचाई योजनाओं के मरम्मत व जीर्णोद्धार कार्य की मिली स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और कृषि उत्पादन को बढ़ाने के उद्देश्य से जशपुर जिले में तीन महत्वपूर्ण सिंचाई योजनाओं के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। 9 करोड़ 49 लाख 23 हजार की लागत के इन तीन सिंचाई योजनाओं के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो जाने से सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी। इससे कृषि उत्पादन क्षमता बढने से किसानों की आय में भी बढ़ोतरी होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय कि पहल पर जिन कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है उनमें विकासखंड फरसाबहार में 03 करोड़ 47 लाख 21 हजार रुपए लागत से कोनपारा (दलटोली डेम) का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य, 03 करोड़ 46 लाख 14 हजार रुपए की लागत के विकासखंड बगीचा में सोरो व्यपवर्तन योजना का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य और 2 करोड़ 55 लाख 88 हजार रुपए की लागत से विकासखंड फरसाबहार की अंकिरा तालाब योजना का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य शामिल है।

इन कार्यों के पूर्ण हो जाने पर सिंचाई की सुविधा में बढ़ोतरी होगी। किसानों को वर्षभर फसलों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। इसके साथ ही जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा जिससे सूखे की स्थिति में भी फसलों को सुरक्षित रखा जा सकेगा। इन कार्यों के पूरा हो जाने से न केवल किसानों की आय और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि ग्रामीण अंचल की कृषि आधारित आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी।

"AI आधारित कार्यशाला" का सफल आयोजन कलेक्टर सिंह ने की प्रतिभागियों की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में चल रहे छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत, आज रायपुर में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा एक विशेष कार्यशाला "AI आधारित कार्यशाला-नवाचार की ओर एक कदम, AI के संग का आयोजन किया गया।

यह कार्यशाला रायपुर कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेड क्रॉस सभा कक्ष में आयोजित की गई, जिसमें प्रोजेक्ट उदघोष टीम के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य था Artificial Intelligence (AI) के माध्यम से सरकारी योजनाओं और कार्यों को अधिक प्रभावी व आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने की तकनीकी जानकारी प्रदान करना। कार्यशाला में AI विशेषज्ञ नितेश सिन्हा एवं सूरज यादव ने प्रतिभागियों को बताया कि वीडियो निर्माण के क्षेत्र में AI का किस प्रकार नवाचारपूर्ण उपयोग कर प्रस्तुतिकरण की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जा सकता है।

इस अवसर पर रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उदघोष टीम को संबोधित करते हुए कहा -इस कार्यशाला से प्राप्त जानकारी का उपयोग आगामी वीडियो निर्माण में अवश्य करें, जिससे शासन की योजनाएं जनमानस तक प्रभावी रूप से पहुंच सकें। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर डॉ. सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया और उनके उत्साह की सराहना की। इस विशेष अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती एवं नगर निगम रायपुर की उपायुक्त डॉ. अंजली शर्मा की उपस्थिति रही।

अधिकारी शिक्षण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें : गजेन्द्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि बच्चों को शिक्षित करना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विद्यालयों में शिक्षण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें और शिक्षण को विभागीय कार्यप्रणाली का केंद्र बिंदु बनाएं। श्री यादव मंत्रालय महानदी भवन में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही समाज और प्रदेश का भविष्य सुरक्षित होता है, इसलिए विद्यालयों में पढ़ाई की नियमित निगरानी करना शिक्षा विभाग के प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है।

यादव ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि उन्हें अपने क्षेत्र की प्रत्येक शाला की स्थिति की सम्पूर्ण और अद्यतन जानकारी रखना होगा। इसके लिए स्कूलों का नियमित निरीक्षण कर

प्राचार्यों, प्रधान पाठकों और शिक्षकों से संवाद करते रहें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की सक्रियता और जिम्मेदारी से ही विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है।

श्री यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिक्षकीय प्रशिक्षण हेतु वार्षिक कैलेंडर तैयार करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि में ही आयोजित किए जाएं, ताकि विद्यालयीन शिक्षण कार्य प्रभावित न हो। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को नई तकनीकों, नवाचारों एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना आवश्यक है। यादव ने स्पष्ट कहा कि शिक्षा विभाग से जुड़े सभी अधिकारी आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों को तभी प्रभावी बनाया जा सकता है, जब अधिकारी, शिक्षक और विद्यालय प्रबंधन मिलकर एक साझा दृष्टिकोण के साथ काम करें।

बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने विभागीय संरचना, योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी पावर पाईट पेजेन्टेशन के माध्यम से दी। इस दौरान विभाग में संचालित प्रमुख योजनाओं और उनकी प्रगति पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष रेणु जी पिल्ले भी उपस्थित थीं। बैठक में समग्र शिक्षा, एससीईआरटी, माध्यमिक शिक्षा मंडल, पाठ्य पुस्तक निगम, मदरसा बोर्ड, लोक शिक्षण संचालनालय, संस्कृत विद्या मंडलम, स्काउट-गाइड, एनसीसी एवं स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़े अन्य कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र की विभागीय गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की।

बोर्डिंग स्कूल पर विशेष सत्र में मिथकों का खंडन, तथ्यों की पड़ताल और अभिभावकों की जिज्ञासा का समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बोर्डिंग स्कूल्स के मिथकों, तथ्यों और बच्चों की तैयारी को लेकर राधिका खंडेलवाल द्वारा आयोजित एक विशेष सत्र का रायपुर में आयोजन किया गया। इस सत्र में शिक्षा और मनोविज्ञान के क्षेत्र के प्रख्यात विशेषज्ञों ने भाग लिया और अभिभावकों को बोर्डिंग स्कूलों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम का संचालन राधिका खंडेलवाल और निधि डागा ने किया। सत्र में वक्ताओं के रूप में काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट डॉ. इला गुप्ता, देहरादून डिफेंस अकादमी के चेयरमैन हिमांशु गोयल और ट्रूमैथ्स के संस्थापक समक्ष गोयल शामिल रहे। इस अवसर पर अभिभावकों ने बोर्डिंग स्कूलों से जुड़े सवालों के जवाब प्राप्त किए और विशेषज्ञों के अनुभवों से लाभान्वित हुए।

बोर्डिंग स्कूल का अनुशासित माहौल या घर का भावनात्मक सुकून? डॉ. इला गुप्ता ने इस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हर बच्चा अद्वितीय है और उसकी आवश्यकताएं अलग होती हैं। कुछ बच्चों के लिए बोर्डिंग स्कूल आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देता है, जबकि अन्य बच्चों को परिवार का सहारा और घर का माहौल अधिक लाभकारी होता है। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि वे अपने बच्चे की मानसिक और भावनात्मक स्थिति को समझकर ही निर्णय लें। हिमांशु गोयल ने बोर्डिंग स्कूलों के लाभों पर जोर देते हुए कहा कि ये

स्कूल बच्चों को समय प्रबंधन, अनुशासन और संगठित जीवनशैली सिखाते हैं। उन्होंने बताया कि बोर्डिंग स्कूलों का वातावरण बच्चों को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत बनाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि माता-पिता की उपस्थिति और घर का स्नेह बच्चों को मानसिक स्थिरता प्रदान करता है। समक्ष गोयल ने देश के प्रमुख बोर्डिंग स्कूलों की विशेषताओं पर प्रकाश डाला और सुझाव दिया कि स्कूल का चयन केवल नाम के आधार पर नहीं, बल्कि बच्चे की रुचियों, व्यक्तित्व और भविष्य की आकांक्षाओं के अनुरूप करना चाहिए। डॉ. इला गुप्ता ने बोर्डिंग स्कूलों के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने बताया कि शुरुआती दौर में कई बच्चे होमसिकनेस का सामना करते हैं और अनुशासित माहौल का दबाव उन्हें तनावग्रस्त कर सकता है। हालांकि, कई बच्चे इस वातावरण में जल्दी ढलकर आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बन जाते हैं। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि वे बच्चों के साथ-साथ स्वयं को भी इस बदलाव के लिए मानसिक रूप से तैयार करें। सत्र का एक रोचक हिस्सा बोर्डिंग स्कूलों से जुड़े मिथकों का खंडन रहा। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यह धारणा गलत है कि बोर्डिंग स्कूल बच्चों को परिवार से दूर करते हैं या केवल कमजोर बच्चों के लिए उपयुक्त हैं। उन्होंने बताया कि आधुनिक बोर्डिंग स्कूल न केवल शिक्षा, बल्कि खेल, नेतृत्व क्षमता और अन्य गतिविधियों पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया और अपने सवालों के जवाब प्राप्त किए। विशेषज्ञों ने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि बोर्डिंग स्कूल सही माहौल में बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। सत्र के अंत में यह निष्कर्ष निकला कि बोर्डिंग स्कूल का चयन सोच-समझकर करना चाहिए। यह निर्णय बच्चे की रुचि, मानसिक तैयारी और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लिया जाना चाहिए।

'प्रोजेक्ट दक्ष' से अधिकारी बन रहे डिजिटली निपुण

रायपुर। प्रोजेक्ट दक्षः हम होंगे स्मार्ट अब एक नई दिशा और पहचान बना रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा अनुरूप इस परियोजना के माध्यम से जिले के शासकीय अधिकारी और कर्मचारी डिजिटल सशक्तिकरण की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। प्रोजेक्ट दक्ष के अंतर्गत जिला कोषालय रायपुर, जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र रायपुर, कार्यपालन अभियंता, मजप डिसनेट संभाग क्र 03 तिल्दा नेवरा तथा वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के अधिकारी-कर्मचारी के कर्मचारी को प्रशिक्षण दिया गया। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और प्रभावशीलता लाना है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

त्रिशाला दत्त ने परिवार और पालन-पोषण पर एक रहस्यमयी नोट किया साझा

संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त ने इंस्टाग्राम पर थका देने वाले और चालबाज माता-पिता के साथ सीमाएँ तय करने के बारे में एक कड़ा संदेश साझा किया है। अपनी स्टोरीज में, उन्होंने लिखा है कि खून का रिश्ता होने से किसी को भी अपने आप जिंदगी में जगह नहीं मिल जाती, और बच्चे परिवार की छवि बनाए रखने की बजाय शांति और मानसिक स्वास्थ्य को चुन सकते हैं। 'चालबाज' माता-पिता पर त्रिशाला दत्त का इंस्टाग्राम नोट।

त्रिशाला दत्त ने अपनी पोस्ट की शुरुआत कुछ इस तरह की

आपके खून के रिश्ते वाले हर व्यक्ति को आपकी जिंदगी में जगह नहीं मिलनी चाहिए। कभी-कभी, सबसे ज्यादा थका देने वाले, अमान्य और उपेक्षापूर्ण लोग जिन्हें हम जानते हैं, उन्हें 'परिवार' कहा जाता है। आपको अपनी शांति बनाए रखने की आजादी है। आपको कम संपर्क रखने या बिल्कुल भी संपर्क न करने की आजादी है। आपको परिवार की छवि बनाए रखने की बजाय अपने मानसिक स्वास्थ्य को चुनने की आजादी है।

इसके बाद उन्होंने अपराधबोध और दुर्व्यवहार पर बात की। क्योंकि 'परिवार' आपको दुर्व्यवहार, हेरफेर या अपराधबोध से ग्रस्त करने की खुली छूट नहीं देता। आपको ऐसे किसी भी व्यक्ति तक पहुँच बनाए रखने की जरूरत नहीं है जो आपको चोट पहुँचाता रहता है - भले ही उन्होंने आपको पाला हो। जब माता-पिता इस बात की ज्यादा परवाह करते हैं कि परिवार दुनिया को कैसा दिखता है, बजाय इसके कि उसमें रहना कैसा लगता है, तो यह एक समस्या है।

अशनूर कौर ने की बिग बॉस 19 में एंट्री, फैंस को कहा शुक्रिया

बिग बॉस 19 का आगाज हो चुका है। इनमें ये रिश्ता क्या कहलाता है की अदाकारा अशनूर कौर भी शामिल हैं। उन्होंने बीबी हाउस में प्रवेश किया। इंस्टाग्राम पर अशनूर की एक वीडियो क्लिप साझा की गई है, जिसमें वे प्रशंसकों का आभार जता रही हैं।

इस क्लिप में उन्होंने बिग बॉस जाने से पहले की तैयारियों की एक झलक भी दिखाई है। अशनूर कौर 'बिग बॉस 19' की सबसे युवा प्रतिभागी हैं। उन्होंने शो में प्रवेश करने के बाद इसे जीतने की इच्छा भी जाहिर की थी। अशनूर की टीम ने ये वीडियो शेयर करते हुए लिखा, आपके प्यार, दुआओं और साथ से आखिरकार अशनूर कौर ने बिग बॉस के घर में एंट्री कर ली है। जो फैंस उन्हें चार साल की नन्ही बच्ची से आज तक बढ़ते देख रहे हैं, उनके लिए यह खास मौका है, पहली बार रियलिटी टीवी पर असली अशनूर को देखने का, जो खूबसूरत, बेबाक और बहुत भावुक भी हैं। हम बेहद खुश हैं कि आप सभी इस सफर का हिस्सा बने हैं और अपने सपोर्ट से इसे और यादगार बना रहे हैं। अशनूर को चीयर करते रहिए, अपना प्यार बांटते रहिए और तैयार हो जाइए ढेर सारी नई और अनमोल यादों के लिए। अब असली रोमांच की शुरुआत होती है।

इस वीडियो में अशनूर ने ये बताया कि जब तक वो ये वीडियो देखेंगे तब तक वह शो में प्रवेश कर चुकी होंगी। साथ ही उन्होंने फैंस को इतना सारा प्यार और सपोर्ट देने के लिए धन्यवाद भी कहा है। यह वीडियो उन्होंने बिग बॉस हाउस में जाने से पहले बनाया था।

अशनूर कौर ने अपना करियर छोटी उम्र में ही शुरू कर दिया था। उन्होंने 2009 में ऐतिहासिक टीवी सीरियल झांसी की रानी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो साथ निभाना साथिया, शोभा सोमनाथ की, ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, और बड़े अच्छे लगते हैं जैसे सीरियल्स में काम कर चुकी हैं।

'बिग बॉस' में आने से पहले उन्होंने 'सुमन इंदौरी' टीवी सीरियल में मुख्य अभिनेत्री के किरदार में लोगों को खूब पसंद आई थीं। इस सीरियल में अशनूर के साथ टीवी की मशहूर एक्ट्रेस अनीता हसनंदानी भी नजर आई थीं।

'बिग बॉस 19' का प्रीमियर जियो सिनेमा और कलर्स टीवी पर हो चुका है। जियो सिनेमा पर टीवी से 90 मिनट पहले ही सारे एपिसोड टेलिकास्ट किए जाएंगे। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान 16वीं बार इस शो की मेजबानी कर रहे हैं।

एटीवी राइड पर निकलीं अभिनेत्री मोनालिसा, बोलीं- क्या फन है

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री मोनालिसा अक्सर अपनी सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। उनकी हर नई तस्वीर या वीडियो में उनका अलग और आकर्षक अंदाज देखने को मिलता है, जो लोगों का ध्यान तुरंत खींच लेता है। इस बार उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ नई और दिलचस्प पोस्ट्स शेयर की हैं, जिनमें उनका अनोखा लुक और मस्ती भरा अंदाज साफ नजर आ रहा है।

मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, जिसमें फैंस को उनका बेहद अलग और मजेदार अंदाज देखने को मिला। वीडियो में वह येलो कलर की एक दमदार ऑल-टेरेन व्हीकल (एटीवी) चलाते हुए नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर जोश और मस्ती साफ झलक रही है, जिससे साफ पता चलता है कि वह इस एडवेंचर को कितना एन्जॉय कर रही हैं। उनके कपड़ों की बात करें तो उन्होंने ब्लैक कलर की स्लीवलेस ड्रेस पहन रखी है, जो उनके लुक को स्टाइलिश बना रही है। उनके चेहरे पर प्यारी मुस्कान साफ दिख रही है।

कुछ अन्य तस्वीरों में भी वह ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिसमें उन्होंने अपने बालों की दो चोटियां बनाई हुई हैं। साथ ही पिंक कलर की चप्पलें उनके कूल लुक को और भी निखार रही हैं। इस अनोखे लुक में मोनालिसा बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

पोस्ट के साथ मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा है, क्या फन है! इस पोस्ट पर उनके फैंस जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, एटीवी चला रही हैं आप? फुल ऑन झकास फोटो। दूसरे फैन ने लिखा, आपको देखकर मेरा भी बाहर घूमने और मजा करने का मन कर रहा है। अन्य फैन ने लिखा, ब्लैक ड्रेस में सुंदर लग रही हो आप, और दो चोटियों में तो आप बच्ची जैसी दिख रही हो। कुछ फैंस ने कहा कि मोनालिसा ने अपनी अंदाज और स्टाइल से एक बार फिर साबित कर दिया कि वह हर रूप में खूबसूरत और आकर्षक लगती हैं।

पुलिस अधिकारी की भूमिका में खूब जंचे मनोज बाजपेयी

अभिनेता मनोज बाजपेयी आने वाले समय में एक से बढ़कर एक फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म इंस्पेक्टर जेंडे को लेकर चर्चा में हैं, जिसकी राह दर्शक लंबे वक्त से देख रहे हैं। मनोज के साथ जिम सर्भ भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। अब आखिरकार फिल्म इंस्पेक्टर जेंडे का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें मनोज पुलिस अधिकारी की भूमिका में खूब जंच रहे हैं।

इंस्पेक्टर जेंडे के ट्रेलर में मनोज, जिम की तलाश में हैं। फिल्म में वह स्विमसूट किलर का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म में भालचंद्र कदम, सचिन खेडेकर, गिरिजा ओक और हरीश दुधाड़े जैसे कलाकार भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। बता दें कि इंस्पेक्टर जेंडे के निर्देशन की कमान चिन्मय डी मंडलेकर ने संभाली है, वहीं ओम राउत इस फिल्म के निर्माता हैं। इस फिल्म को आप 5 सितंबर, 2025 से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे।

'द ट्रायल' फेम शीना चौहान फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवं' के लिए ले रही हैं मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग

साउथ इंडियन एक्ट्रेस शीना चौहान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए काफी मेहनत कर रही हैं। उनकी आने वाली फिल्म है 'जातस्य मरणं ध्रुवं', जिसमें वे एक आईपीएस ऑफिसर के किरदार में दिखाई देंगी। इस फिल्म के लिए वे मार्शल आर्ट की कड़ी ट्रेनिंग ले रही हैं। 'जातस्य मरणं ध्रुवं' में शीना की जोड़ी जेडी चक्रवर्ती के साथ जमेगी। जेडी को हिंदी फिल्म 'सत्या' में देखा गया था। एक्ट्रेस शीना कराटे में ब्राउन बेल्ट और एमएमए-कराटे चैंपियनशिप में राज्य स्तर की खिलाड़ी रह चुकी हैं। अब वे फिल्म में अपने कैरेक्टर को और दमदार बनाने के लिए मार्शल आर्ट सीख रही हैं।

वह हैदराबाद में एक निजी कोच के साथ प्रतिदिन 90 मिनट की ट्रेनिंग ले रही हैं। इसमें ताकत के साथ ही आधुनिक युद्ध की बारीकी पर ध्यान केंद्रित करना सिखाया जा रहा है। इस बारे में बात करते हुए शीना ने कहा, मेरे लिए परफॉर्मेंस के साथ ही प्रक्रिया भी काफी महत्वपूर्ण है। चाहे वह मेरी मार्शल आर्ट हो, जिम वर्कआउट हो, या असली अधिकारियों का अध्ययन करने में बिताया गया समय हो, यह सब मुझे किरदार को ईमानदारी से जीने में मदद करता है।

शीना को आखिरी बार फिल्म संत तुकाराम में देखा गया था। इसमें उन्होंने अवली जीजाबाई का किरदार बड़े ही प्रभावशाली ढंग के साथ निभाया था। इसके लिए लोगों और समीक्षकों ने उनकी तारीफ भी की थी। तेलुगु फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवं' एक सस्पेंस-थ्रिलर मूवी है, जिसमें कई अप्रत्याशित मोड़ आते हैं। इसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है। फिल्म में उभरते सितारे नरेश अगस्त्य भी हैं और जल्द ही इसका प्रचार शुरू किया जाएगा। मूवी में हितेन तेजवानी और सीरत कपूर जैसे सितारे भी हैं। इसकी रिलीज डेट अभी फाइनल नहीं हुई है। श्रवण जोनाडा ने इस फिल्म की कहानी लिखी है। इसका निर्देशन भी श्रवण ने ही किया है।

फूड पॉइजनिंग से रिकवरी होते समय करें इन 5 चीजों का सेवन

फूड पॉइजनिंग एक आम समस्या है, जो किसी भी समय हो सकती है। यह तब होती है जब हम खराब भोजन या गंदे पानी का सेवन कर लेते हैं। इसके कारण उल्टी, दस्त और बुखार जैसी समस्याएं हो सकती हैं। फूड पॉइजनिंग से बचने के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखना जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताते हैं, जिनका सेवन फूड पॉइजनिंग से जल्द राहत दिलाने में मदद कर सकता है।

केला

केला पोटेशियम और कार्बोहाइड्रेट का अच्छा स्रोत है, जो पेट को जल्दी ठीक करने में मदद कर सकते हैं। फूड पॉइजनिंग के बाद शरीर में जरूरी तत्वों की कमी हो जाती है, जिसे पूरा करने के लिए केला खाना फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा इसमें मौजूद प्राकृतिक मिठास ऊर्जा भी प्रदान कर सकती है। इस स्थिति में केले को मैश करके खाना अच्छा रहता है क्योंकि इससे पाचन आसान हो जाता है।

खिचड़ी

फूड पॉइजनिंग के बाद पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है, इसलिए हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन करना चाहिए। खिचड़ी एक ऐसा व्यंजन है, जो आसानी से पच जाता है और इसमें जरूरी पोषक तत्व भी मिलते हैं। चावल और दाल की खिचड़ी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और विटामिन्स होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं और जल्दी ठीक होने में मदद करते हैं।

हर्बल चाय

फूड पॉइजनिंग के दौरान शरीर में पानी की कमी हो सकती है, इसलिए हाइड्रेट रहना जरूरी है। इसके लिए हर्बल चाय एक अच्छा विकल्प हो सकता है। अदरक की चाय, पुदीने की चाय या कैमोमाइल चाय पीने से पेट की जलन कम होती है और आराम मिलता है। अदरक में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो पेट को शांत करते हैं। पुदीना पाचन क्रिया को ठंडक पहुंचाता है और कैमोमाइल चाय से नींद भी अच्छी आती है।

सूप

फूड पॉइजनिंग के बाद सूप पीना भी फायदेमंद हो सकता है। गर्मागर्म सूप पीने से गले को आराम मिलता है और शरीर को पोषण मिलता है। टमाटर का सूप या मूली का सूप बनाकर पिएं। इन सब्जियों में विटामिन-सी होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। इसके अलावा सूप में मसाले डालकर पीने से भी पेट को ठंडक मिलती है और आराम मिलता है। हल्का और सुपाच्य भोजन करने से पेट जल्दी ठीक होता है।

नारियल पानी

फूड पॉइजनिंग के दौरान शरीर में जरूरी तत्वों की कमी हो जाती है, जिसे पूरा करने के लिए नारियल पानी पीना फायदेमंद हो सकता है। नारियल पानी में प्राकृतिक मिठास, पोटेशियम और मैग्नीशियम होते हैं, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा देते हैं और तेजी से ठीक होने में मदद करते हैं। इसके अलावा नारियल पानी पीने से शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकलते हैं। इन सभी फूड्स का सेवन करके आप फूड पॉइजनिंग से जल्दी राहत पा सकते हैं।

खाने के साथ ज्यादा पानी पीना हो सकता है हानिकारक, जानिए क्यों

आमतौर पर लोग मानते हैं कि खाने के साथ पानी पीना सेहत के लिए अच्छा है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह आदत कई सेहत से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है। खाने के साथ ज्यादा पानी पीने से पाचन क्रिया पर बुरा असर पड़ सकता है। इस लेख में हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि खाने के साथ ज्यादा पानी पीने से क्या-क्या समस्याएं हो सकती हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है।

पाचन क्रिया पर पड़ता है बुरा असर

खाने के साथ ज्यादा पानी पीने से पाचन क्रिया का तापमान कम हो सकता है, जिससे खाना सही तरह से पच नहीं पाता। इससे पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और गैस, पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा इससे खाने का पाचन धीमा हो जाता है, जिससे शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते और कमजोरी हो सकती है। इसलिए खाने के बीच में थोड़ा-थोड़ा पानी पीना चाहिए।

गैस और पेट दर्द की समस्या

खाने के साथ ज्यादा पानी पीने से पेट में बनने वाला रस का संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे गैस और पेट दर्द की समस्या हो सकती है। पेट में बनने वाले रस का संतुलन बिगड़ने से खाना सही तरह से नहीं पचता और पेट में जलन हो सकती है। इससे पेट दर्द और अपच जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए खाने के साथ ज्यादा पानी पीने से बचना चाहिए और बीच-बीच में थोड़ा-थोड़ा पानी पीना चाहिए।

खून में शक्कर का असर

खाने के साथ ज्यादा पानी पीने से खून में शक्कर का स्तर भी प्रभावित हो सकता है। इससे खून में शक्कर का स्तर अचानक बढ़ सकता है, जो मधुमेह से पीड़ित लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है। इसके अलावा सामान्य लोगों के लिए भी यह समस्या उत्पन्न कर सकता है। इसलिए खाने के साथ ज्यादा पानी पीने से बचना चाहिए और बीच में थोड़ा-थोड़ा पानी पीना चाहिए। इससे खून में शक्कर का स्तर संतुलित रहता है।

भूख कम होने की संभावना

खाने के साथ ज्यादा पानी पीने से भूख कम होने की संभावना भी रहती है। इससे व्यक्ति सही मात्रा में खाना नहीं खा पाता और जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते। इसके अलावा इससे शरीर कमजोर हो सकता है और ऊर्जा की कमी हो सकती है। इसलिए खाने के साथ ज्यादा पानी पीने से बचना चाहिए और बीच-बीच में थोड़ा-थोड़ा पानी पीना चाहिए। इससे भूख बनी रहती है और शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते रहते हैं।

वजन बढ़ने का खतरा

खाने के साथ ज्यादा पानी पीने से वजन बढ़ने का खतरा भी रहता है। इससे शरीर में अतिरिक्त ऊर्जा जमा होती है, जिससे मोटापा बढ़ सकता है। इसके अलावा इससे शरीर में सूजन भी हो सकती है, जो वजन बढ़ाने का कारण बनती है। इसलिए खाने के साथ ज्यादा पानी पीने से बचना चाहिए और बीच-बीच में थोड़ा-थोड़ा पानी पीना चाहिए। इससे वजन नियंत्रित रहता है और शरीर स्वस्थ रहता है।

आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में योजनाओं के बेहतरीन क्रियान्वयन के लिए करें कार्य : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना अंतर्गत आदि कर्मयोगी अभियान के तहत जिले के आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में शासन की विभिन्न योजनाओं आवास, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार के बेहतरीन क्रियान्वयन के लिए कार्य करना है तथा शासन की योजनाओं से जनजातियों को अधिक से अधिक लाभान्वित करना है।

इन ग्रामों में सेचुरेशन के लिए टीम बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि सामाजिक भवनों का चिन्हांकन कर इसे सेवा केन्द्र के रूप में उपयोग करें तथा वहां प्रकाश, पेयजल तथा अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करें।

उन्होंने सभी अधिकारियों को विलेज विजन प्लान बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की इस महती योजना में स्वयं सेवी संस्थाओं एवं समाजिक कार्यकर्ताओं की भी सहभागिता होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों के चिन्हांकित ग्रामों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत लाभान्वित करना है। पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाएं, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड सहित शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत सभी विभागों को व्यापक पैमाने पर शासन की योजनाओं से संबंधित गतिविधियों का आयोजन करें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित सभी विभागों को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करना है। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र बनाने के लिए आवेदन लेते हुए यथा शीघ्र प्रमाण पत्र जारी करने के लिए कार्य करें।

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना शासन की महती योजना है। इस योजना के माध्यम से नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने के लिए कार्य करने कहा। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आवास निर्माण कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे आवास जो बन गये है, उन्हें शीघ्र आबंटित करें। कलेक्टर ने जनदर्शन एवं राजस्व प्रकरणों के लंबित आवेदनों के स्थिति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अविवादित नामांतरण के लंबित प्रकरणों को समय-सीमा में गंभीरता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अविवादित खाता विभाजन स्वामित्व योजना अंतर्गत अभिलेख वितरण, भू-बंटन के प्रकरणों की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अटल मानिटरिंग डेशबोर्ड में जिले का प्रदर्शन अच्छा होना चाहिए। इसके लिए सभी अधिकारी अच्छा कार्य करें। उन्होंने ई-ऑफिस के कार्य में गति लाने के लिए सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ को निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि कक्षा 11वीं एवं 12वीं के लिए ऑनलाईन कोचिंग का कार्य प्रारंभ होना चाहिए। इसे यथाशीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। क्षतिग्रस्त सड़कों के मरम्मत एवं पुनर्निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए। कलेक्टर ने शिशु संरक्षण माह अंतर्गत बच्चों को आयरन सिरप, फोलिक एसिड एवं अन्य दवाईयां, बच्चों का टीककारण, एग्रीस्टेक के प्रकरण एवं शासन के अन्य योजनाओं की समीक्षा की।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना के क्रियान्वयन के लिए एवं शत-प्रतिशत सेचुरेशन के लिए सभी विभाग कार्य करें।

इसके लिए विशेष तौर पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। आदि सेवा केन्द्र के माध्यम से आदि कर्म योगी अभियान के तहत सेचुरेशन के लिए सभी अच्छा कार्य करें। उन्होंने कहा कि इस अभियान अंतर्गत 25 मापदण्डों में शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत जनजातियों को लाभान्वित करना है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माणाधीन एवं पूर्ण आवासों के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, एसडीएम डोंगरगढ़ एम भार्गव, एसडीएम डोंगरगांव श्रीकांत कोराम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम कैंप में ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ समाधान, 56 आवेदन प्राप्त, अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्थापित सीएम कैंप कार्यालय बगिया अब आमजन के लिए उम्मीद और सहारा का केंद्र बन गया है।ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए यह कार्यालय वरदान साबित हो रहा है। सोमवार को मुख्यमंत्री निवास बगिया स्थित कैंप कार्यालय में कुल 56 आवेदन प्राप्त हुए।

इन आवेदनों में ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याएँ और मांगें रखीं। ग्राम पंचायतों से आए लोगों ने मुख्य रूप से सामुदायिक भवन, रंगमंच निर्माण,राजस्व मामले, स्वास्थ्य सुविधाओं में सहयोग तथा अन्य बुनियादी आवश्यकताओं से जुड़े मामले को लेकर पहुंचे थे।ग्रामीणों ने बताया कि अब उन्हें अपनी समस्याएँ सीधे प्रशासन तक पहुँचाने में कठिनाई नहीं होती, क्योंकि मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय इसके लिए एक सुगम और सशक्त मंच बन गया है।सीएम कैंप कार्यालय की ओर से प्राप्त सभी आवेदनों पर गंभीरता से विचार किया गया और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि किसी भी मामले को लंबित न रखा जाए और आवेदकों को शीघ्र राहत प्रदान की जाए।गौरतलब है कि अब केवल जशपुर जिले के ही नहीं, बल्कि अन्य जिलों से भी ग्रामीण अपनी समस्याएँ लेकर सीएम कैंप कार्यालय बगिया पहुँच रहे हैं। यहाँ उनकी बातें न सिर्फ सुनी जाती हैं, बल्कि वास्तविक समाधान भी खोजा जाता है।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की इस संवेदनशील पहल की सराहना करते हुए कहा कि बगिया कैंप कार्यालय अब उनकी आशाओं का केंद्र बन चुका है, जहाँ हर समस्या का गंभीरता और प्राथमिकता से समाधान किया जाता है।

रजत जयंती महोत्सव में परियोजना स्तर पर हुआ बाल मेला महतारी सम्मेलन व मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। एकीकृत बाल विकास परियोजनाओं में विगत दिवस छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन परियोजना स्तर पर किया गया। जिसके तहत परियोजना स्तर पर महतारी सम्मेलन, बाल मेला एवं मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया।

महतारी सम्मेलन में ग्राम सरपंच, पंच, ग्रामीण, कार्यकर्ता, महतारी वंदन योजना के हितग्राही, बच्चे एवं किशोरी बालिकाएं शामिल हुई । इस अवसर पर परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों द्वारा विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के नए हितग्राहियों का आवेदन भी भराया गया।

इसी प्रकार रजत महोत्सव अंतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना केराडीह, बागबहार में महतारी मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। इसके साथ ही बाल संदर्भ शिविर का आयोजन कर 45 कुपोषित बच्चों को लाभान्वित किया गया। कैंप में माताओं का मधुमेह, रक्तचाप तथा हीमोग्लोबिन की जांच की गई। इस अवसर पर 185 हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच की गई।

इस तरह एकीकृत बाल विकास परियोजना बगीचा एवं मनोरा में बाल मेला का आयोजन किया गया। इस मेले में बच्चों के द्वारा एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, कविता पाठ, चित्रकला, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी के रूप में बच्चों के पालक एवं बच्चों ने बढ़ चढ़ के भाग लिया।

एकीकृत बाल विकास परियोजना पत्थलगांव में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव अंतर्गत बाल मेले का आयोजन किया गया। जिसमें पत्थलगांव नगर पालिका अध्यक्ष संगीता सिंह एवं सभापति भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में समस्त पर्यवेक्षक, समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, ग्रामीण महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के खेलकूद संबंधित गतिविधि, कविता पाठ, कहानी सुनाने, चित्रकारी एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता बच्चों को पुरस्कार भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न व्यंजनों व साग सब्जियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

बीसी सखी का कार्य शुरू कर ग्रामीणों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुँचाकर बनी सच्ची सखी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप स्व सहायता समूह में महिलाओं को जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। जिले की महिलाओं को ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत् समूह के रूप में विकसित करके रोजगामूलक कार्य के लिए विभिन्न प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने स्वयं की व्यवसाय कर रही है और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही है।

इसी कड़ी में विकासखण्ड कांसाबेल के छोटे से ग्राम चिड़ोरा की रहने वाली है तारा बाई प्रज्ञा स्व सहायता समूह से जुड़ी कर आत्मनिर्भर बन गई है। समूह सहेली ग्राम संगठन से जुड़कर तारा बाई ने बीसी सखी का काम शुरू किया। चिड़ोरा ग्राम मुख्य मार्ग से जुड़े नहीं होने के कारण विभागीय लेन देन हेतु ग्रामीणों को समस्याओं का सामना करना पड़ता था, किन्तु तारा बाई बिहान योजना से जुड़कर ग्रामीणों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुँचाकर गांवो के लिए सच्ची सखी साबित हुई हैं।

गांव वालों को बैंक के हर छोटे बड़े काम के लिए अब कांसाबेल स्थित बैंक नहीं जाना पड़ रहा है। इसके साथ ही वह स्वंय भी आर्थिक रूप से सशक्त हुई है। तारा बाई के माध्यम से गांवो में वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, मनरेगा मजदूरी भुगतान, स्वयं सहायता समूह की राशि का लेनदेन एवं अन्य बैंकिंग कार्य किए जाते हैं।

तारा बाई का कहना है कि प्रतिमाह 50-60 लाख रुपये का लेन-देन कर चुकी है। तारा बाई 8 से 9 हजार रुपये तक की आय प्राप्त हो जाता है। इससे वह अपने परिवार की तमाम जरूरतें पूरा करने में भरपूर मदद करती है।

स्वदेशी मेला, आत्मनिर्भरता की ओर बस्तर का बड़ा कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने और स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से इस वर्ष अक्टूबर माह में लालबाग मैदान में स्वदेशी मेला स्वावलंबन की ओर बढ़ता भारत का आयोजन किया जाएगा।

इस भव्य आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए आज बस्तर चेंबर ऑफ कॉमर्स भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें महापौर संजय पाण्डे, नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य निर्मल पाणिग्रही, लक्ष्मण झा, जे.आर. जगत, सुब्रत चाकी सहित चेंबर के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में तय किया गया कि 28 अगस्त को शाम 5 बजे बस्तर चेंबर ऑफ कॉमर्स भवन में उद्घोषणा कार्यक्रम एवं ब्रोशर का विमोचन किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजन समिति की घोषणा, व्यापारिक सहभागिता और विभिन्न तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। स्वदेशी मेला केवल व्यापार का मंच नहीं होगा, बल्कि यह बस्तर की आत्मा को दर्शाने वाला उत्सव बनेगा। स्थानीय कारीगरों, किसानों और लघु उद्योगों को इसमें राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। यह मेला 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को साकार करेगा और स्वावलंबन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस आयोजन में स्थानीय हस्तशिल्प, लघु उद्योग, कृषि उत्पाद, पारंपरिक खानपान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रदर्शित की जाएंगी। यह मेला न केवल आर्थिक दृष्टि से लाभकारी होगा, बल्कि बस्तर के हुनर, संस्कृति और परंपराओं को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करेगा। आज जब भारत आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर है, तब ऐसे आयोजनों का महत्व और बढ़ जाता है। बस्तर जैसी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर वाले अंचल में स्वदेशी मेला केवल व्यापारिक अवसर नहीं, बल्कि लोकल से ग्लोबल तक की यात्रा का सेतु बनेगा।

यह मेला उन अनगिनत कारीगरों की आवाज बनेगा जिनके हाथों की कला अक्सर सीमित बाजार तक ही रह जाती है। व्यापकता मिली, तो यह निश्चित रूप से बस्तर की तस्वीर बदलने में सहायक सिद्ध होगा।

बीएड डीएलएड, बीए बीएड, बीएससी बीएड में ऑनलाइन आबंटन की प्रक्रिया 29 से

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा बीएड डीएड बीएससी बीएड पाठ्यक्रम में 2025 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आबंटन कार्यक्रम घोषित कर दिये गये है। इसके तहत राज्य के डाइट में प्रशिक्षार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। एससीईआरटी के संचालक ऋतुराज रघुवंशी द्वारा जारी निर्देशानुसार आबंटन कार्यक्रम तथा दिशा निर्देश की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

इसके तहत पंजीयन एवं ऑनलाइन विकल्प फार्म भरने की तिथि 29 अगस्त से लेकर 4 सितंबर तक, प्रथम चरण के लिए प्रथम सूची जारी करना तथा दावा आपत्ति 9 सितंबर से लेकर 10 सितंबर तक, प्रथम चरण की सूची में आबंटित अभ्यर्थी द्वारा प्रवेश के लिए निर्धारित तिथि 11 सितंबर से लेकर 15 सितंबर तक रिक्त सीटों की जानकारी 16 सितंबर तक जारी की जाएगी।

संचालक द्वारा जारी आदेशानुसार प्रथम चरण की सूची में आबंटित अभ्यर्थियों द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश के लिए निर्धारित तिथि 11 सितंबर से लेकर 15 सितंबर रिक्त सीटों की जानकारी 16 सितंबर प्रथम चरण की द्वितीय सूची दावा आपत्ति के लिए 17 सितंबर एवं द्वितीय सूची के लिए दावा आपत्ति 19 सितंबर तक प्रथम चरण और द्वितीय चरण में अभ्यर्थियों द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश के लिए निर्धारित तिथि 18 सितंबर से लेकर 22 सितंबर तक रिक्त सीटों की जानकारी 23 सितंबर तक की जा सकेगी। प्रथम चरण की दावा सूची के आपत्ति के पश्चात तृतीय सूची 25 सितंबर को जारी की जाएगी। तीसरे सूची के आबंटित अभ्यर्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश 25 से 29 सितंबर तक लेना होगा। रिक्त सीटों की जानकीर 30 सितंबर तक देना होगा।

संचालक द्वारा दी गई जानकारी द्वारा तीसरी सूची के पश्चात द्वितीय चरण प्रारंभ होगा। द्वितीय चरण के लिए पंजीयन आन लाइन एक अक्टूबर से 5 अक्टूबर तक द्वितीय चरण की सूची दावा आपत्ति 9 अक्टूबर से लेकर 10 अक्टूबर तक प्रथम सूची द्वितीय चरण के लिए 13 अक्टूबर को तथा आबंटित अभ्यर्थियों को महाविद्यायालय में प्रवेश के लिए 13 अक्टूबर को प्रवेश करना होगा। रिक्त सीटों की जानकारी 23 अक्टूबर को जारी की जाएगी। संचालक द्वारा जानकारी के अनुसार इन सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र अभ्यर्थी राज्य के शासकीय डाइट बीटआई तथा निजी शिक्षा महाविद्यालय में संचालित डीएल पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए दिया जाए। परीक्षा प्रवेश हेतु उत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए निर्धारित वेबसाइट में पूरी जानकारी ले सकते हैं। द्वितीय चरण की सूची 24 अक्टूबर को तथा द्वितीय चरण दूसरी सूची महाविद्यालय में 24 अक्टूबर तक जारी की जाएगी। तीसरी सूची 31 अक्टूबर को तथा तीसरी सूची के आबंटित अभ्यर्थी महाविद्यालयों में 31 अक्टूबर तक प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। संचालक के अनुसार अंतिम तिथि के पश्चात शाम 5.30 बजे महाविद्यालय द्वारा प्रवेश की आनलाइन अपडेट करने की प्रकिया बंद हो जाएगी। अभ्यर्थियों को दावा आपत्ति निर्धारित वेबसाइट में आवश्यक दस्तावेज आवेदन भेजकर कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया सामान्य प्रशासन के निर्देश पर आरक्षण संबंधी प्रावधान का पालन किया जाएगा।

पानी से गुजरते हुए बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंचे सांसद महेश कश्यप

जगदलपुर। लगातार हो रही भारी वर्षा से बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा क्षेत्र के अनेक गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। गीदम रोड व चित्रकोट रोड स्थित नदी नालों के समीपस्थ गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने से जनजीवन प्रभावित हो गया है। चित्रकोट मार्ग पर छोटे-बड़े नाले उफान पर हैं, जिससे कई सड़कें और पुल-पुलिया डूब गए हैं तथा आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बस्तर सांसद महेश कश्यप ने आज स्वयं प्रभावित क्षेत्रों इरिकपाल, नेगानार सहित आसपास के गांवों में जाकर हालात का जायजा लिया। सांसद कश्यप रेस्क्यू टीम के साथ राहत एवं बचाव कार्यों में सक्रिय रहे।

उन्होंने ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्याओं एवं वस्तुस्थिति की जानकारी ली। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष मंगतू कश्यप के गृहग्राम मांदर के टापू में तब्दील हो जाने की जानकारी मिलने पर सांसद महेश कश्यप पानी के बीच से गुजरते हुए मांदर गांव पहुंच गए। वहां सांसद महेश कश्यप ने बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाने का इंतजाम करने की बात कही और वस्तुस्थिति से अवगत हुए। सांसद महेश कश्यप ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और केबिनेट मंत्री केदार कश्यप को फोन पर हालात की जानकारी दी और प्रभावित ग्रामीणों की मदद के लिए उनसे आग्रह किया।

खास खबर

बाढ़ में बह गई कार, 4 की मौत

जगदलपुर। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में एनएच 30 पर दरभा के पास एक दुखद हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे शामिल हैं। हादसा उस समय हुआ जब परिवार की स्विफ्ट डिजायर कार बाढ़ के पानी में बह गई। जानकारी के अनुसार, तमिलनाडु का यह परिवार बस्तर घूमने आया था। कार में सवार ड्राइवर ने तैरकर अपनी जान बचाई, लेकिन परिवार के चार सदस्य पानी के तेज बहाव में फंस गए। एडिशनल एसपी महेश्वर नाग ने घटना की पुष्टि की है। सशस्त्र की टीम ने देर रात कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे शवों को बाहर निकाला। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जगदलपुर मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है

ट्रेलर ने युवक को कुचला, स्पॉट पर ही मौत

रायपुर। तेज रफ्तार ट्रेलर ने युवक को कुचल दिया है। यह हादसा सड़क पार करने के दौरान हुआ। इस एक्सीडेंट से युवक का भेजा बाहर आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना मुजगहन थाना क्षेत्र की है। दरअसल, विनोद पटेल ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई। जिसमें बताया कि वह गरियाबंद का रहने वाला है। एक ढाबे में काम करता है। 24 अगस्त को उसका दोस्त उत्तम पटेल गांव से रायपुर घूमने आया था। 25 अगस्त को दोनों दोस्त घूम कर सेजबाहर चौक के पास पहुंचे थे। इस दौरान उत्तम पटेल रोड क्रॉस कर रहा था। तभी डूंडा की तरफ से एक तेज रफ्तार ट्रेलर आ रही थी। उसने उत्तम को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में सिर से भेजा निकलकर बाहर आ गया। कुछ ही सेकेंड में उसकी मौत हो गई। फिलहाल, दोस्त की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

नेत्रहीन नाबालिग को बनाया हवस का शिकार

सरगुजा। सरगुजा में एक नेत्रहीन नाबालिग को हवस का शिकार बनाया गया है। नाबालिग जब गर्भवती हुई तब जाकर इस पूरे मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद परिजन थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफएफआईआर दर्ज करवाई। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस की टीम मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला सीतापुर थाना क्षेत्र का है। यहां एक नेत्रहीन नाबालिग लड़की के साथ उसके मामा के दो बेटों से सामूहिक दुष्कर्म किया है। पिछले 5-6 महीनों से नाबालिग के साथ दुष्कर्म करते रहे और फिर लगभग ढाई महीने पहले गांव से फरार हो गए। वहीं नाबालिग लड़की जब गर्भवती हुई तब जाकर उसने परिजनों को पूरी बात बताई और मामले का खुलासा हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही नाबालिग के परिजन उसे लेकर सीतापुर थाना पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बंदर भगाने पर उपजा विवाद, महिलाओं पर हथियार से हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के धमधा थाना क्षेत्र के घोटवानी गांव में रविवार को उस समय दहशत का माहौल बन गया जब मामूली विवाद खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि गांव में पुलिस बल तैनात करना पड़ा। घटना में कई महिलाओं को चाकू से गंभीर रूप से घायल किया गया है। घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है। पुलिस ने घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी पप्पू वर्मा सहित कई हमलावर अभी फरार हैं।

बंदर भगाने को लेकर कहासुनी मामला बेहद मामूली विवाद से शुरू हुआ। घोटवानी गांव की रहने वाली दो महिलाएं हेमलता वर्मा और धान बाई पड़ोसी हैं। 23 अगस्त को दोनों के बीच बंदर भगाने को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते यह विवाद गाली-गलौज में बदल गया। धान बाई ने विवाद की जानकारी अपने बेटे पप्पू वर्मा को दी, जो रायपुर के गुढ़ियारी इलाके में रहता है। धान बाई की शिकायत सुनकर पप्पू ने गांव आकर हिसाब चुकता करने की ठानी।

इसके बाद रविवार को पप्पू वर्मा अपने कुछ दोस्तों और परिचितों के साथ स्कॉर्पियो और दूसरी कार में सवार होकर घोटवानी गांव पहुंचा। ग्रामीणों ने बताया कि कार में हूटर भी लगा हुआ था, जिसे बजाते हुए वे गांव में दाखिल हुए। उनके साथ दर्जनों नकाबपोश युवक भी थे। गांव में घुसते ही पप्पू और उसके साथियों ने सीधा हेमलता वर्मा के घर को निशाना बनाया। उन्होंने घर में घुसकर हेमलता और उनके परिवारजनों के साथ मारपीट की, उनके कपड़े फाड़ दिए और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। महिलाओं को चाकू से बुरी तरह घायल कर दिया गया। अचानक हुए इस हमले से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई।

इस हमले की खबर फैलते ही गांव में दहशत का माहौल बन गया। लोग अपने-अपने घरों में दुबक गए। हालांकि, हमले के बाद ग्रामीणों का आक्रोश भी फूट पड़ा। गांव वालों ने हमलावरों का विरोध किया और स्थिति और बिगड़ने लगी। गांव में माहौल इतना तनावपूर्ण हो गया कि तुरंत धमधा पुलिस, एसडीओपी और भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी को मौके पर पहुंचना पड़ा। पुलिस बल की मौजूदगी के बाद ही स्थिति पर काबू पाया जा सका।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें पप्पू वर्मा, संगम मेश्राम (गुढ़ियारी निवासी), राकेश वर्मा और प्रभात चंदेल (पचरीकला, बेमेतरा निवासी) शामिल हैं। वहीं, मुख्य आरोपी पप्पू वर्मा और उसके अन्य साथी अभी फरार हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पप्पू वर्मा का आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से उठना-बैठना है। उसका अपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है। पुलिस को शक है कि इसी वजह से उसने इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दिया। घोटवानी में तनाव, पुलिस की सख्ती हमले के बाद गांव में तनाव का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पप्पू वर्मा और उसके साथियों ने गांव में आकर जिस तरह से उत्पात मचाया, उससे पूरे गांव में डर का माहौल है। कई महिलाएं और लोग अभी भी दहशत में हैं।

पुलिस ने गांव में सख्ती बरतते हुए गश्त बढ़ा दी है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी हाल में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई है। सीएसपी ने दी जानकारी भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि तीन से चार आरोपी फरार हैं। मुख्य आरोपी पप्पू वर्मा भी फरार है, लेकिन जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

आवारा कुत्ते को लेकर शुरु हुआ विवाद, कड़े से किया युवक पर हमला

रायपुर। रायपुर में आवारा कुत्ते को लेकर शुरू हुआ विवाद खून-खराबे में बदल गया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के गवलीपारा का है, जहां मामूली कहासुनी के बाद एक युवक ने अपने ही परिचित पर हाथ में पहने कड़े से हमला कर दिया। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, गवलीपारा इलाके में रहने वाले चिंटू नामक युवक और लाल गोलू उर्फ गोलूना के बीच आवारा कुत्ते को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि देखते ही देखते गाली-गलौज और हाथापाई शुरू हो गई। इसी दौरान गुस्से में आए चिंटू ने हाथ में पहने कड़े को निकालकर लाल गोलूना पर वार कर दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

घायल युवक को तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि घायल की हालत स्थिर है। घटना की जानकारी पुलिस को मिली तो कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी चिंटू को हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गवलीपारा क्षेत्र में अक्सर छोटे-छोटे विवाद झगड़े का रूप ले लेते हैं। पुलिस प्रशासन को इस इलाके में गश्त बढ़ानी चाहिए ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर घटना की पूरी तहकीकात की जाएगी। यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि राजधानी में कानून-व्यवस्था कितनी मजबूत है। मामूली विवाद में खुलेआम चाकूबाजी होना लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा करता है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा।

अवैध विदेशी शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में आबकारी विभाग ने अवैध शराब परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 45 बल्क लीटर विदेशी शराब जब्त की है। मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जब्त की गई शराब और वाहन की कुल कीमत 4.5 लाख रुपए से अधिक आंकी गई है। नेहरू नगर चौक से आरोपी गिरफ्तार जानकारी के मुताबिक, 25 अगस्त की सुबह आबकारी विभाग दुर्ग की वृत-भिलाई क्रमांक-03 की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान उन्हें अवैध शराब परिवहन की सूचना मिली। कार्रवाई करते हुए टीम ने आरोपी मनदीप सिंह भाटिया, निवासी नेहरू नगर चौक, भिलाई को पकड़ा। उसके कब्जे से 12 बोतल ब्लेंडर्स प्राइड व्हिस्की और 48 बोतल मैक्डॉवल नं. 1 व्हिस्की जब्त की गई। कुल मात्रा 45 बल्क लीटर शराब का बाजार मूल्य 51,840 रुपए बताया गया। परिवहन के लिए आरोपी ने लाल रंग की स्विफ्ट कार (नंबर CG 08 F 5491) का इस्तेमाल किया था। वाहन की कीमत लगभग 4 लाख रुपए है। इस तरह कुल मिलाकर 4,51,840 रुपए की जब्ती की गई है। मौके पर आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में विदेशी शराब मिलने और छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) का उल्लंघन करने पर उसके खिलाफ प्रकरण क्रमांक 120/25 दर्ज किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई की विवेचना आबकारी उप निरीक्षक प्रियंक ठाकुर द्वारा की जा रही है। वहीं इस ऑपरेशन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी पंकज कुजूर, आबकारी उप निरीक्षक हरीश पटेल, भूपेंद्र नेताम, आबकारी मुख्य आरक्षक डीपी पटेल, संदीप तिर्की, चितेश्वरी ध्रुव और ड्राइवर दुर्गेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नकली कीटनाशक बनाने का भंडाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में पुलिस ने नकली कीटनाशक बनाने के गोरखधंधे का बड़ा खुलासा किया है। सरकंडा थाना क्षेत्र के लिंगियाडीह इलाके में एक झोपड़ी से भारी मात्रा में नकली कीटनाशक जब्त किया गया है। मौके पर पैकेजिंग करते हुए आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया गया। पकड़ा गया युवक दिहाड़ी मजदूरी करता है और उसे एक व्यापारी द्वारा यह अवैध काम करवाया जा रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं मुख्य सप्लायर व्यापारी की तलाश की जा रही है।

यह कार्रवाई तब हुई जब बिहार के मधुबनी निवासी रंजीत कुमार सिंह ने पुलिस को शिकायत दी। रंजीत की कंपनी पायरेसी डिफरेंस फोर्स बाजार में बिक रहे नकली उत्पादों की जांच करती है। उन्होंने बताया कि बिलासपुर और आसपास के इलाकों में नकली कीटनाशक खुलेआम बेचे जा रहे हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसी शिकायत पर पुलिस ने दबिश दी और आरोपी रवि सोनी को हिरासत में ले लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी रवि ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि उसे एक अज्ञात व्यापारी ने केमिकल और पैकेजिंग सामग्री उपलब्ध कराई थी। इस केमिकल की केवल 10 बूंद पानी में मिलाकर 1 लीटर नकली कीटनाशक तैयार हो जाता था। इसके बाद वह उसे डिब्बों में भरकर बाजार में सप्लाई करता था। आरोपी बोला- जहर नहीं था केमिकल शुरुआत में रवि ने इस काम को करने से इनकार कर दिया था, क्योंकि पैकिंग पर 'जहर' लिखा था। लेकिन व्यापारी ने उसे भरोसा दिलाने के लिए खुद केमिकल पीकर दिखाया और कहा कि यह जहरीला नहीं है। इसके बाद आरोपी ने लालच में आकर पैकेजिंग का काम शुरू कर दिया।

जांच में यह भी सामने आया है कि यह नकली कीटनाशक मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में बेचा जा रहा था। किसानों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि उनके फसलों पर दवा असर नहीं कर रही है। कंपनी के अधिकारी रंजीत कुमार ने बताया कि यह नेटवर्क दुर्ग समेत छत्तीसगढ़ के कई जिलों तक फैला हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों के साप्ताहिक बाजारों और छोटे कस्बों में इसकी सप्लाई हो रही थी। नकली कीटनाशक के इस्तेमाल से किसानों की फसलें बर्बाद हो रही थीं। कई जगहों पर फसल में कीड़े लगने की शिकायतें आई है।

डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में हादसा, एंबुलेंस में लगी आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में सोमवार को बड़ा हादसा होते-होते टल गया। लेबर पेन की गंभीर अवस्था में एक महिला को लेकर पहुंची 108 एंबुलेंस में अचानक शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई। देखते ही देखते एंबुलेंस धू-धू कर जलने लगी। लेकिन एंबुलेंस पायलट और स्टाफ ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत मरीज को बाहर निकाला और सुरक्षित अस्पताल में शिफ्ट कर दिया। समय रहते की गई इस तत्परता से महिला की जान बच गई, वरना लापरवाही और आग की चपेट में कोई बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

सूत्रों के मुताबिक घटना दोपहर करीब 12:50 बजे की है। जैसे ही एंबुलेंस में धुआं और आग की लपटें उठीं, स्टाफ ने तत्परता दिखाते हुए मरीज को बाहर निकाला। लेकिन इस दौरान आग तेजी से फैल गई और एंबुलेंस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। मौके पर मौजूद अन्य मेडिकल स्टाफ और लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन टीम लगभग एक घंटे की देरी से पहुंची। जब तक दमकल विभाग मौके पर पहुंचा, तब तक एंबुलेंस पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी। फिलहाल एंबुलेंस को टोटल लॉस घोषित किया गया है।

इस घटना ने फायर ब्रिगेड की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। समय पर दमकल वाहन पहुंच जाते तो शायद एंबुलेंस को पूरी तरह जलने से बचाया जा सकता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में लगातार बारिश हो रही है, फिर भी आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने में इतनी देरी होना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। बारिश ने बढ़ाई मुसीबतें इधर, बस्तर में पिछले 12 घंटे से लगातार भारी बारिश हो रही है। इस बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई इलाकों में जलभराव की स्थिति है, जिससे सड़कों पर यातायात प्रभावित हो गया है। खासतौर पर ग्रामीण और अस्पताल से जुड़े मार्गों में पानी भरने से एंबुलेंस का आवागमन बाधित हो रहा है। आपात स्थिति में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में भारी मुश्किलें आ रही हैं। स्थिति को देखते हुए बस्तर प्रशासन ने आपातकालीन प्रबंधन के तहत एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस बल की तैनाती की है।

मासूम बच्चों की डूबने से मौत : सूरजपुर। ग्राम कोरजा में गांव में बने ईंट भट्ठे के गहरे गड्ढे में नहाने गए दो मासूम बच्चों की डूबने से मौत हो गई।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट (एसटीबीए) की नियुक्ति

अधिसूचना क्र.: 2025/C/Chg./STBA/IV/R

दिनांक: 20.08.2025

1. कार्य का नाम: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत **दाधापारा, मांढर, उरकुरा, लाखोली, भिलाई नगर, भिलाई पावर हाउस, तिल्दा, रिसामा, गुंडरदेही दल्ली राजहरा, बालोद व अंतागढ़**स्टेशनों पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंटों (STBA) की नियुक्ति इच्छुक पार्टियों से कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए तीन वर्ष की अवधि के लिए रेल टिकट बुकिंग एजेंट (एसटीबीए) की नियुक्ति। **2. धरोहर धन राशि:** ₹ 2,000/- NSG-6 श्रेणी, ₹ 5,000/- NSG-5 श्रेणी व ₹ 10,000/- NSG-4 श्रेणी स्टेशनों के लिए। **3. निविदा प्रपत्र मूल्य:** ₹ 590/- (रू. पांच सौ नब्बे मात्र) प्रति निविदा प्रपत्र। **4. आवेदन प्रपत्र जारी की तिथि:** दिनांक **26.08.2025** से **25.09.2025,** समय **10:00** बजे से **17:00** बजे तक सभी कार्यालय कार्य दिवस में। **5. आवेदन प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** दिनांक **26.09.2025**, समय **15:00** बजे तक। **6. आवेदन पेटी खोलने की तिथि एवं समय:** दिनांक **26.09.2025**, समय **15:30** बजे।

आवेदन सीलबंद लिफाफे में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, द.पू.म. रेलवे, रायपुर को संबोधित करते हुए दिनांक **26.09.2025** के **15:00** बजे तक आवेदन पेटी जो वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, DRM कार्यालय परिसर, द.पू.म. रेलवे, वाल्टेयर गेट के निकट, RVH कॉलोनी, रायपुर (छ.ग.) में उपलब्ध है, उस में जमा करें। किसी भी आवेदन के अंश भाग अथवा पूर्ण निविदा को बिना कारण बताए स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार रेलवे प्रशासन अपने पास रखती है। पात्रता मापदंड, नियम, शर्तें और उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, द.पू.म. रेलवे, रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें एवं वेबसाइट **www.secr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध दस्तावेज / निविदा प्रपत्र देखें व डाउनलोड करें।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक),
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
रायपुर

PR/R/SR.DCM/FL/146

South East Central Railway @secrail

रायपुर में नशे के कारोबार पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कबीर नगर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने सोनडोंगरी तालाब के पास से तीन आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है, जो प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप बिक्री के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहे थे। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से कुल 100 शीशी (प्रत्येक 100 एमएल) TUSCOREX SYRUP बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब 25,000 रुपये आंकी गई है।

पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा तथा पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के दिशा-निर्देश पर रायपुर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में शहर के सभी थाना प्रभारियों को नशे के काले कारोबारियों की पतासाजी कर उन पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी अभियान के तहत 25 अगस्त 2025 को थाना कबीर नगर पुलिस को सूचना मिली कि सोनडोंगरी तालाब के पास दो युवक बोरी और बैग में प्रतिबंधित कफ सिरप रखकर ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम दौलत राम पोर्ते और नगर पुलिस अधीक्षक आजाद चौक ईशू अग्रवाल (भापुसे) ने थाना प्रभारी कबीर नगर को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

सूचना मिलते ही थाना कबीर नगर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मुखबिर द्वारा बताए गए संदिग्ध व्यक्तियों को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम राहुल बंजारे पिता महेश बंजारे निवासी सतनामी बस्ती, पीपल पेड़, रायपुर और नंदन मिश्रा पिता प्रमोद मिश्रा निवासी मजगांव, तहसील देव तालाब, जिला रीवा, मप्र, हाल निवासी अवधपारा सोनडोंगरी बताया। जब पुलिस ने उनके पास रखी बोरी और बैग की तलाशी ली, तो 30 शीशी कफसिरप बरामद हुई। इसके अलावा दुकान के पीछे रखे एक कार्टन से 37 शीशी और मिली। कुल मिलाकर आरोपियों के कब्जे से 100 शीशी प्रतिबंधित नशीली सिरप जब्त की गई। पुलिस ने जब दोनों से वैध दस्तावेज मांगे तो वे कुछ भी प्रस्तुत नहीं कर पाए। इस पर दोनों को गिरफ्तार कर थाना कबीर नगर लाया गया।

आगे की पूछताछ और आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर पुलिस ने एक और व्यक्ति को इस मामले में गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान सुरेंद्र सिंह पिता भाल सिंह निवासी ग्राम बनगोठरी, थाना पिलानी, जिला झुंझुनूं, राजस्थान, हाल निवासी सेक्टर-4, उदया सोसायटी, थाना आमानाका, रायपुर के रूप में हुई। सुरेंद्र की संलिप्तता पुख्ता होने पर उसे भी गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर पेश किया गया।

गिरफ्तार तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना कबीर नगर में अपराध क्रमांक 185/2025 धारा 21(सी) और 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने जब्त की गई सभी 100 शीशी को सबूत के तौर पर सुरक्षित किया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील दास, उप निरीक्षक लोकेश्वर सदावर्ति, सहायक उप निरीक्षक नारायण सेन, प्र.आर. आलोप राठौर, आरक्षक दीपक सिंह ठाकुर, मोसिन खान, गजेंद्र साहू, प्रेम प्रकाश चनाप, खगेश्वर राठीया, महिला आरक्षक अमीना खातून के साथ-साथ ACCU से सहायक उप निरीक्षक प्रेमराज बारीक, प्रआर दीपक बघेल, आरक्षक टीकम साहू, राकेश पांडेय, और अभिषेक सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की परतें खोलने में जुटी है। फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर यह पता लगाया जा रहा है कि यह प्रतिबंधित सिरप कहां से लाया गया और किन-किन को सप्लाई किया जाना था। जांच अधिकारियों को शक है कि रायपुर समेत आसपास के जिलों में भी नशीली सिरप की तस्करी का बड़ा नेटवर्क सक्रिय है।

विष्णु के सुशासन में ग्रामीणों की समस्याओं का हो रहा त्वरित निराकरण

सुशासन एक्सप्रेस रथ से घर-घर पहुंच रही शासन की सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री के निर्देश में आम जनता को शासन की योजनाओं और सेवाओं को घर के समीप पहुंचाने की दिशा में सुशासन एक्सप्रेस नाम से एक अभिनव और अनुकरणीय पहल शुरू की गई है, जो जनसमस्याओं के त्वरित निदान मॉडल के रूप में स्थापित हुई है। इसका शुभारंभ 29 मई को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के तहत ग्राम भैंसा में आयोजित समाधान शिविर में किया था। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में प्रारंभ की गई इस पहल के माध्यम से हजारों ग्रामीणों को शासन की दो दर्जन से अधिक सेवाओं का लाभ सहजता से मिलने लगा है।

67 हजार से अधिक आवेदनों का त्वरित निराकरण

सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक कुल 75,864 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 67,788 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जा चुका है। शेष लंबित आवेदनों की कार्यवाही भी प्राथमिकता से की जा रही है। सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक जरूरतमंद 15,741 आवेदकों को आय प्रमाण पत्र, 5741 को जाति प्रमाण पत्र, 4273 को निवास प्रमाण पत्र, 7536 को आयुष्मान भारत कार्ड, 6014 को राशन कार्ड, 8269 को ड्राइविंग लाइसेंस, 1306 को किसान क्रेडिट कार्ड, 2051 को नरेगा जॉब कार्ड, 577 को जन्म प्रमाण पत्र, 50 को मृत्यु प्रमाण पत्र, 4093 श्रमिकों को श्रम कार्ड, 5070 लोगों को आधार कार्ड, 883 को किसान किताब, 814 पात्र आवेदकों को पेंशन, 1346 एचएसआरपी का लाभ देने के साथ ही महिला एवं बाल विकास, पुलिस, आवास सहित अन्य योजनाओं से भी बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हो रहे हैं। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार-2025 के सकारात्मक परिणाम को देखते हुए जिला प्रशासन रायपुर ने इसी तर्ज पर सुशासन एक्सप्रेस की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य शासकीय अमले का एक साथ गांवों में पहुंचकर उनकी समस्याओं और आवेदनों का तत्परता से निराकरण करना है। सुशासन एक्सप्रेस के प्रथम चरण की शुरूआत अभनपुर, आरंग, धरसींवा और तिल्दा विकासखण्ड के गांवों से हुई। उक्त चारों विकासखण्डों की 300 से अधिक ग्राम पंचायतों में तथा नगर पंचायत आरंग के 17 वार्डों में सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से समस्याओं और आवेदनों का तत्परता से निराकरण किया गया। प्रथम चरण की सफलता के बाद अब जिला प्रशासन ने इसका दूसरा चरण भी प्रारंभ कर दिया है, जिसमें अभनपुर, धरसींवा एवं तिल्दा विकासखंड के ग्रामीण इलाके शामिल है, जहां सुशासन एक्सप्रेस निर्धारित तिथियों में पहुंच रही है। सुशासन एक्सप्रेस के साथ गांव-गांव में पहुंचकर विभिन्न विभागों का मैदानी अमला लोगों की समस्याओं और आवेदनों का निराकरण कर रहा है।

नाम मात्र खर्च में बड़ा बदलाव

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने बताया कि जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए सुशासन एक्सप्रेस संचालित करने के आइडिया को मूर्तरूप देने के लिए कंडम हो चुकी चार एंबुलेंस को जिला प्रशासन द्वारा मरम्मत कराकर इन्हें सुशासन एक्सप्रेस में परिवर्तित किया गया। नाम मात्र खर्च में तैयार किए गए इन मोबाइल सेवा वैन ने ग्रामीण अंचलों में सुशासन की नई राह प्रशस्त की है। रायपुर जिले की सुशासन एक्सप्रेस की सफलता वास्तव में शासन-प्रशासन की इच्छाशक्ति, नवाचार और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति पहुंचाने की दिशा में एक अनुकरणीय मॉडल है।

ग्रामीणों ने कहा अब घर के समीप ही मिल रही है सुविधा

ग्राम पंचायत संकरी के युवा उत्तम साहू के लिए खुशी का क्षण था जब घर बैठे ही उन्हें लर्निंग लाइसेंस मिल गई, जो उनके गांव में आए सुशासन रथ से मिली। उत्तम कहते हैं कि उनके घर में अन्य सदस्यों ने लाइसेंस बनाया तो गांव के बाहर जाना पड़ा था और समय भी लगा था, अब कुछ दिन पहले गांव में कोटवार ने हांका लगाया तो सुशासन रथ आने की जानकारी मिली। मैंने वहां जा कर आवेदन किया। प्रक्रिया पूरी हुई और मुझे लाइसेंस मिल गया। सांकरा के रहने वाले राजेश कुमार यादव भी बड़े प्रफुल्लित हैं कि उनका राशन कार्ड बन गया, इसके लिए बार-बार पंचायत कार्यालय में जाना नहीं पड़ा उन्होंने सुशासन रथ में आवेदन दिया, प्रक्रिया पूरी होने के बाद राशन कार्ड बन गया। उत्तम और राजेश मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहते हैं कि अब जिला प्रशासन रायपुर द्वारा उनके घर के समीप ही शासकीय सेवाएं मिल रही हैं जिसके लिए उन्हें अलग से समय निकाल कर जाना पड़ता था, कई बार कागजात अपूर्ण होने पर दुबारा भी जाना पड़ता था।

गांव में ही लग रहा 'वन-स्टॉप कैंप

किसी भी गांव में सुशासन एक्सप्रेस पहुंचने से तीन दिन पहले सूचना जारी की जाती है। मौके पर पटवारी, पंचायत सचिव, स्वास्थ्य टीम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आधार व आयुष्मान कार्ड बनाने वाले कर्मचारी और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहते हैं। इस तरह गांव में ही छोटा 'वन-स्टॉप शिविर' तैयार हो जाता है।

राज्य सरकार की प्रतिबद्धता, खेलों के लिए बुनियादी ढांचा होगा सुदृढ़

धमतरी और कुरूद को मल्टीपर्पज इंडोर स्पोर्ट्स की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने एक बार फिर खेल सुविधाओं में इजाफा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। खिलाड़ियों को आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने, खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए सरकार सतत प्रयासरत है। इसी कड़ी में धमतरी और कुरूद में इंडोर बैडमिंटन हॉल / मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु प्रशासनिक स्वीकृति मिली है।

क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत खेल बुनियादी ढांचे का विस्तार और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में राज्य सरकार कई महत्त्वपूर्ण पहल कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन योजनाओं पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 1 से 3 करोड़ रुपये तक की पुरस्कार राशि देने की योजना सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है। यह पहल न केवल खिलाड़ियों के मनोबल को ऊँचा करती है बल्कि आने वाली नई पीढ़ी को भी खेलों की ओर प्रेरित करती है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत मैदानों का उन्नयन, उच्च स्तरीय उपकरणों की उपलब्धता, खेल क्लबों को आर्थिक सहायता और पारंपरिक खेलों के आयोजन जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

कलेक्टर धमतरी ने बताया कि जिले के धमतरी और कुरूद में इंडोर बैडमिंटन हॉल / मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स हॉल के प्रोजेक्ट के लिए लगभग 5-5 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यहां खिलाड़ियों के लिए विभिन्न इनडोर खेलों की आधुनिक सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिनमें बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, लूडो एवं साँप-सीढ़ी, डार्ट बोर्ड, स्नूकर, तीरंदाजी, योग कक्ष, स्क्वॉश, बास्केटबॉल, पिकलबॉल प्रमुख हैं। सबसे अहम यह है कि इन खेलों के लिए आवश्यक उपकरण और संरचनाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होंगी।

इतना ही नहीं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में न केवल खेल सुविधाएं बल्कि खिलाड़ियों और दर्शकों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक प्रावधान किए जाएंगे। इनमें खिलाड़ियों के आराम और तैयारी के लिए प्लेयर रूम, दर्शकों और प्रतिभागियों के लिए सुव्यवस्थित स्पोर्ट्स हॉल वेटिंग एरिया, आकस्मिक चिकित्सा सुविधा के लिए फर्स्ट एड रूम, महिला एवं पुरुषों के लिए अलग शौचालय शामिल हैं। इन प्रावधानों से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भागीदारी के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। धमतरी और कुरूद के आसपास के क्षेत्रों में अनेक युवा खेलों में सक्रिय हैं, लेकिन पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र न होने के कारण वे अपनी प्रतिभा को राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक नहीं पहुँचा पाते। इन इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्सों के निर्माण से स्थानीय खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिलेगा और वे अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे।

धमतरी और कुरूद के मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, खेल के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होंगे। आने वाले समय में धमतरी और कुरूद के खिलाड़ी न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे।

केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की ऑनलाइन समीक्षा बैठक में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव आज केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में शामिल हुए। केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने नई दिल्ली से वर्चुअली आयोजित बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के कार्यों की राज्यवार समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री अरुण साव नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक आर. एक्का और राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ शशांक पाण्डेय के साथ बैठक में शामिल हुए।

केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने बैठक में शहरी स्वच्छता के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में लक्षित स्वच्छता इकाईयों (Cleanliness Target Units) के चिन्हांकन एवं निराकरण को वर्षभर की गतिविधि के रूप में लागू करने तथा इस साल (2025) के 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में स्वच्छ शहर जोड़ी के संचालनात्मक दिशा-निर्देशों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बैठक में स्वच्छता के प्रति छत्तीसगढ़ की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार, केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में नगरीय विकास एवं स्वच्छता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने राज्य सरकार ने व्यापक रणनीति तैयार की है, जिसमें आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

श्री साव ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवरेज व्यवस्था और स्वच्छता सेवाओं के डिजिटलीकरण जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने राज्य के प्रमुख शहरी निकायों द्वारा किए जा रहे नवाचारों और जनसहभागिता आधारित कार्यक्रमों की भी जानकारी साझा की।

श्री साव ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार है। केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में नगरीय जीवन को स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बनाने लगातार काम किए जा रहे हैं।

नवा रायपुर में आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर निर्माणाधीन जीवंत संग्रहालय पूर्णतः की ओर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने नवा रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, परिसर में निर्माणाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का निरीक्षण कर अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि संग्रहालय निर्माण का कार्य लगभग पूर्णतः की ओर है। अंतिम फिनिशिंग एवं रंग रोगन का कार्य चल रहा हैं।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वंत्रंता संग्राम सेनानियों पर बन रहे इस जीवंत संग्रहलय का उदघाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर रजत जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर किया जाना प्रस्तावित है। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने इसकी तैयारी के लिए निर्माण कार्य में लगे अधिकारियों की बैठक ली एवम आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संग्रहालय के निर्माण कार्य में लगने वाली प्रत्येक सामग्री उच्च गुणवत्तायुक्त एवं सभी मानकों पर खरी उतरनी चाहिए। साथ ही संग्रहालय के निर्माण में किसी भी प्रकार की कोई वित्तीय अनियमितता ना हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय में स्वतंत्रता आंदोलन के समय छत्तीसगढ़ में हुए विभिन्न आदिवासी विद्रोहों जैसे हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह,

राज्योत्सव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे संग्रहालय का उद्घाटन

लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चैरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह, सोनाखान विद्रोह, झण्डा सत्याग्रह एवं जंगल सत्याग्रह के वीर आदिवासी नायकों के संघर्ष (1923, 1920) एवं शौर्य के दृश्य का जीवंत प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निश्चित ही यह संग्रहालय सभी वर्ग के लोगों के लिए एक आकर्षण का केन्द्र एवं प्रेरणास्रोत के रूप में बनकर उभरेगा।

उल्लेखनीय है संग्रहालय निर्माण का कार्य आगामी माह के 30 सितंबर तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कहा कि संग्रहालय के फर्श पर भी ट्राईबल कलाकारों की आर्ट्स को अंकित किए जाने के निर्देश दिए गए। म्यूजियम में अन्य मूर्तियों के साथ-साथ भगवान बिरसा मुंडा एवं रानी गाइडल्यू की मूर्ति लगाने के भी निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि संग्रहालय में डिजिटाइजेशन का कार्य तय समय पर पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने संग्रहालय में खुलने वाली सोवेनियर शॉप को गढ़ कलेवा अथवा ट्रायफेड या अन्य किसी प्रतिष्ठित संस्था को ट्राईबल उत्पाद के अनिवार्य रूप से विक्रय किए जाने की शर्त के साथ दिए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में आयुक्त डॉक्टर सारांश मित्तर, छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी निगम के संचालक जगदीश कुमार सोनकर, संचालक टीआरटीआई हिना अनिमेष नेताम, संयुक्त सचिव बी.के. राजपूत, अपर संचालक जितेन्द्र गुप्ता, उपायुक्त गायत्री नेताम, कार्यपालन यंत्री त्रिदीप चकवर्ती सहित निर्माण एजेंसी के ठेकेदार, क्यूरेटर, इंजीनियर्स एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950